घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 238- सोमवार 29- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

लखनऊ अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई

LDA के AE समेत 5 और अधिकारी सस्पेंड,अब बिल्डिंग पर चलेगा बुलडोजर

लखनऊ,28 जून 2026। अलीगंज अग्निकांड मामले में प्रशासन ने सख्ती बरती है। 22 जून को हुए हादसे में 15 बच्चों की मौत के बाद अब 5 और अधिकारी-कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता संजय शुक्ला, अधीक्षण अभियंता आनंद मिश्रा,अधिशासी अभियंता शिवेंद्र शुक्ला, अवर अभियंता हेमंत कुमार और सुपरवाइजर बेलदार हरपाल को निलंबित कर दिया गया है। अब तक कुल 7 अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई हो चुकी है।

18 अधिकारियों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई

प्रशासन ने 18 अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की है। सेवा में तैनात अधिकारियों पर पहले कार्रवाई की जा रही है, जबकि संदिग्ध अधिकारियों पर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

बिल्डिंग मालिक को ध्वस्तीकरण का नोटिस

अग्निकांड वाली इमारत पर बुलडोजर कार्रवाई की तैयारी चल रही है। बिल्डिंग मालिक वीरेंद्र शुक्ला को ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी कर दिया गया है। जेल में जाकर मालिक को नोटिस थमाया गया है। 22 जून को हुए इस हादसे में लापरवाही और अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। पहले भी 2 इंजीनियर सस्पेंड किए जा चुके हैं। मृतकों के परिजनों ने न्याय की मांग की है।

प्रधानमंत्री मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान,संसद को संबोधित किया

बोले...सेशेल्स से हमारा 256 साल पुराना रिश्ता

विक्टोरिया(सेशेल्स),28 जून 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और सेशेल्स के संबंध केवल 50 वर्षों के नहीं बल्कि इनकी जड़ें अगस्त 1770 तक जाती हैं, जब 'थेलेमाक' नामक जहाज से पांच भारतीय पहली बार यहां पहुंचे थे। दुनिया भले ही सेशेल्स को हिंद महासागर स्थित छोटे-छोटे द्वीपों के समूह के रूप में देखती हो लेकिन भारत की नजर में सेशेल्स एक विशाल महासागरीय राष्ट्र है,जिसकी भूमिका हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि में अत्यंत महत्वपूर्ण है। तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह उनके लिए विशेष सम्मान का क्षण है। उन्होंने स्पीकर सिल्वेन लिबेआन, सरकारी कामकाज के नेता बर्नार्ड जॉर्जेस, विपक्ष के नेता, सांसदों और सेशेल्स की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि वह भारत के 1.4 अरब लोगों की शुभकामनाएं लेकर आए हैं। साल 2015 में प्रधानमंत्री बनने के बाद हिंद महासागर क्षेत्र में उनकी पहली यात्रा सेशेल्स की ही थी और एक दशक बाद यहां लौटने पर उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि हिंद महासागर के लिए भारत के दृष्टिकोण में सेशेल्स की विशेष और केंद्रीय भूमिका है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सेशेल्स की स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर यहां उपस्थित होकर प्रसन्न हैं। भारत और सेशेल्स का रिश्ता केवल कूटनीतिक संबंधों तक सीमित नहीं है बल्कि यह साझा इतिहास, विश्वास, समुद्री सहयोग और जन-जन के संबंधों पर आधारित है। भारत और सेशेल्स का भविष्य परस्पर जुड़ा हुआ है और दोनों देश हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध बनाने के लिए साथ मिलकर काम करते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने भारत के 'म्यूचुअल एंड होलिस्टिक एडवांसमेंट फॉर सिक्योरिटी एंड ग्रोथ अक्रॉस रीजन' (महासागर) विजन जिक्र करते हुए कहा कि यह दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित है कि क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा और विकास एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

भारत और सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और साझा समृद्धि के लिए मिलकर कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि लोग मानचित्र पर सेशेल्स को एक छोटे द्वीपीय देश के रूप में देखते हैं लेकिन वास्तविकता इससे कहीं बड़ी है। सेशेल्स का समुद्री क्षेत्र लगभग 14 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसलिए इसे छोटा द्वीपीय देश नहीं बल्कि एक बड़ा महासागरीय राष्ट्र कहा जाना चाहिए। ब्लू इकोनॉमी वैश्विक विमर्श का विषय बनने से बहुत पहले सेशेल्स समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और ब्लू बॉन्ड जैसे नवाचारों के माध्यम से दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समुद्री सुरक्षा,क्षमता निर्माण,हाइड्रोग्राफी और समुद्री क्षेत्र की निगरानी के क्षेत्र में भारत और सेशेल्स के बीच सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। दोनों देशों का सहयोग सुरक्षित और स्थिर हिंद महासागर क्षेत्र के प्रति साझा प्रतिबद्धता का प्रतीक है। एक समुद्री राष्ट्र की सुरक्षा दूसरे की सुरक्षा से जुड़ी है, एक की समृद्धि दूसरे की समृद्धि को मजबूत करती है और क्षेत्रीय स्थिरता सभी के हित में है। उन्होंने कहा कि यह वर्ष भारत-सेशेल्स संबंधों की गहराई का महत्वपूर्ण प्रतीक है। 50 वर्ष पहले जब सेशेल्स स्वतंत्र हुआ था, तब भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि मित्रता और एकजुटता के प्रतीक के रूप में पोर्ट विक्टोरिया में मौजूद था। आज स्वतंत्रता की स्वर्ण जयंती के अवसर पर भारतीय नौसेना के आईएनएस इक्षक और आईएनएस तरकश पोर्ट विक्टोरिया में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों में बहुत कुछ बदला है, लेकिन दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना नहीं बदली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सेशेल्स रक्षा बलों की पेशेवर क्षमता और समर्पण का सम्मान करता है। दशकों से दोनों देशों की सेनाएं, तटरक्षक बल और समुद्री एजेंसियां साथ प्रशिक्षण लेती रही हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए मिलकर कार्य करती रही हैं। उन्होंने सेशेल्स की सांस्कृतिक विविधता की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि सेशेल्स की सबसे बड़ी शक्ति उसके लोग हैं।

पर्यावरण के क्षेत्र में मोदी को अब तक 3 बड़े सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पर्यावरण की रक्षा,जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने और लंबे समय. तक पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में किए गए काम के लिए मिला है। पर्यावरण के क्षेत्र में मोदी को अब तक 3 बड़े अवार्ड मिल चुके हैं। इससे पहले मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी खाद्य एवं कृषि संगठन ने उन्हें एग्रीकोला मेडल से सम्मानित किया था। संयुक्त राष्ट्र ने साल 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को अपना सर्वोच्च पर्यावरण सम्मान 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ अवॉर्ड' प्रदान किया था।

मन की बात का 135वां एपिसोड....

समुद्र से लेकर आसमान तक,भारत तेजी से सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन रहा है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,28 जून 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने चर्चित रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड में मन की बात की। इस कार्यक्रम में वह युवाओं को लेकर प्रेरणादायक बातें करते हैं। देश-दुनियां की उन घटनाओं का जिक्र करते हैं जिसका समाज के विकास में सरोकार रहा है। मन की बात के 135वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, साल 2026 का आधा हिस्सा खत्म होने वाला है। इन 6 महीनों में हमने मन की बात में अपने देशवासियों की कई कामयाबियों पर बात की है। जून में भी देश ने कुछ ऐसी कामयाबियां हासिल की हैं जिनसे हर नागरिक को गर्व है। ये कामयाबियां देश की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़ी हैं। हाल ही में मुझे कोलकाता में नेवी से जुड़े एक इवेंट में शामिल होने का मौका मिला। वहां आईएनएस दुनागिरी, आईएनएस संशोधक, और आईएनएस अग्रे को इंडियन नेवी के बेड़े में शामिल किया गया। इन जहाजों के डिजाइन से लेकर बनाने तक, सब कुछ देसी है। पीएम मोदी ने कहा, देश ने जून महीने में ही एविएशन सेक्टर में भी एक बड़ी कामयाबी हासिल की। सी-295 एयरक्राफ्ट 'मेड इन इंडिया' है, सी-295 एयरक्राफ्ट ने अपनी पहली उड़ान पूरी कर ली है और ऐसे 40 एयरक्राफ्ट यहीं भारत में बनाए जा रहे हैं। इससे एमएसएमई और एयरोस्पेस सेक्टर को नई

रफ्तार मिल रही है, रोजगार के मौके बढ़ रहे हैं और आत्मनिर्भर भारत का संकल्प मज़बूत हो रहा है। उन्होंने कहा, इस महीने डीआरडीओ ने एक स्वदेशी'लॉन्ग-रेंज लैंड-अटैक क्रूज मिसाइल'का भी सफल टेस्ट किया। इसे डीआरडीओ लैब्स और भारतीय इंडस्ट्री पार्टनर्स ने मिलकर बनाया है। दूसरे शब्दों में समुद्र से लेकर आसमान तक,हमारा भारत तेजी से सुरक्षित और आत्मनिर्भर बन रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा,जून में एक और इवेंट हुआ जिसमें पूरी दुनिया ने भारत की कोशिशों के साथ हाथ मिलाया और वह इवेंट था 'इंटरनेशनल योगा डे'। इस बार, दुनिया भर में 2,500 से ज़्यादा जगहों पर अलग-अलग योगा इवेंट हुए। हमारे देश में करोड़ों लोगों ने कई जगहों पर योगा प्रोग्राम में हिस्सा लिया। भारत ने इस इवेंट में कुल 114 मेडल जीते, जिसमें 102 गोल्ड मेडल शामिल हैं। भारत इस चैंपियनशिप में मेडल टैली में टॉप पर रहा। पीएम मोदी ने कहा, पूजा-पाठ खत्म होने के बाद मिट्टी की मूर्तियां अपने आप पानी में घुल जाती हैं। इससे हमारी नदियों, तालाबों और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। इससे हम अपनी आस्था बनाए रख पाते हैं और प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी पूरी कर पाते हैं। जब हम लोकल कारीगरों से मूर्तियां खरीदते हैं, तो हम वोकल फॉर लोकल होने के अपने इरादे को और मजबूत करते हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि इस गणेश उत्सव के दौरान और असल में ऐसे हर त्योहार के दौरान हम इन बातों पर गंभीरता से सोचेंगे और देश के हित में कदम उठाएंगे। उन्होंने आगे कहा, बहुत से लोगों ने मुझे लिखकर एक खास टॉपिक पर बात करने का सुझाव दिया है। यह टॉपिक गणेश उत्सव से जुड़ा है।

हालांकि गणेश उत्सव में अभी काफी समय है, लेकिन लोगों ने आग्रह किया है कि इस विषय पर अभी चर्चा की जाए। कृपया यह पक्का करने की कोशिश करें कि आपके घर, सोसायटी या मोहल्ले में स्थापित गणपति बप्पा की मूर्ति हमारे अपने देश की मिट्टी से बनी हो और हमारे अपने कुम्हारों और लोकल कारीगरों के हाथों से बनी हो।

1 जुलाई से बदलेंगे एलपीजी के नियम!

नई दिल्ली,28 जून 2026। एक जुलाई से एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए कई महत्वपूर्ण बदलाव लागू हो सकते हैं। नए नियमों का असर खासतौर पर Indane, HP Gas और Bharat Gas के ग्राहकों पर पड़ेगा। सरकार द्वारा लागू किए गए प्रावधानों के तहत कुछ उपभोक्ताओं को अपना एलपीजी कनेक्शन बनाए रखने के लिए निर्धारित शर्तों का पालन करना जरूरी होगा।

सबसे बड़ा बदलाव उन उपभोक्ताओं के लिए है,जिनके पास पहले से पीएनजी की सुविधा उपलब्ध है। सरकार के संशोधित नियमों के अनुसार,जिन क्षेत्रों में पाइप्ड नेचुरल गैस का नेटवर्क उपलब्ध है,वहां एलपीजी की जगह पीएनजी को प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे मामलों में निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं करने पर एलपीजी कनेक्शन बंद किया जा सकता है। इसके अलावा सरकार ने सभी एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए e-KYC अनिवार्य कर दिया है। जिन ग्राहकों ने निर्धारित समय सीमा तक अपनी ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उन्हें गैस सिलेंडर की बुकिंग या आपूर्ति में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

भारत में 15 विदेशी यूनिवर्सिटी को मंजूरी अगस्त से शुरू होंगे पहले बैच और कैंपस

नई दिल्ली,28 जून 2026। भारतीय छात्रों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। अब वैश्विक स्तर की शिक्षा और विदेशी यूनिवर्सिटी की प्रतिष्ठित डिग्री हासिल करने के लिए लाखों रुपये खर्च कर विदेश जाने की आवश्यकता नहीं होगी। केंद्र सरकार ने पहल करते हुए अब तक 15 विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस खोलने के लिए 'लेटर ऑफ इंटेंट' जारी कर दिया है। इनमें से अधिकांश यूनिवर्सिटीज अगस्त माह से अपना पहला शैक्षणिक सत्र शुरू करने जा रही हैं। प्रारंभिक चरण में हर कैंपस में 200 से 250 छात्रों को दाखिला दिया जाएगा, जिसे अगले पांच वर्षों में बढ़ाकर 1,000 से 1,200 छात्रों तक प्रति वर्ष पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रमुख शहर बनेंगे शिक्षा का वैश्विक केंद्र : मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे महानगर विदेशी विश्वविद्यालयों के नए केंद्र बनकर उभर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, ब्रिस्टल, यॉर्क, इलिनोइस टेक, लिवरपूल और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी जैसे नामी संस्थान भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इन संस्थानों में प्रवेश के लिए छात्रों में भारी उत्साह है और वर्तमान सत्र के लिए ही 10 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इन परिसरों में पढ़ाई,परीक्षा प्रणाली, मूल्यांकन का तरीका और अंत में मिलने वाली डिग्री पूरी तरह से संबंधित यूनिवर्सिटी के होम कैंपस के वैश्विक मानकों के अनुरूप ही होगी। फिलहाल, इन संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस और STEM विषयों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया और छात्र-छात्राओं के लिए विशेष अवसर : ग्लोबल एडटेक कंपनी के सीईओ अश्विन डमेरा के अनुसार, प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा में कम से कम 75% अंक और स्नातक स्तर पर 55% से 70% अंक अनिवार्य होंगे। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि यदि छात्र ने बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी में 70% से 85% के बीच अंक प्राप्त किए हैं, तो उसे IELTS की परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होगी।

छात्रों को 'एक्सचेंज प्रोग्राम' के माध्यम से 1 से 2 सेमेस्टर विदेश स्थित होम कैंपस में पढ़ने का अनूठा अवसर भी मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क '2+1 मॉडल' लेकर आई है, जबकि ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के छात्र ब्रिटेन स्थित एआई सुपरकंप्यूटर का उपयोग कर सकेंगे।

राम मंदिर दान विवाद : सभी आरोपियों के घर पर पुलिस ने मारा छापा...

अयोध्या,28 जून 2026। अयोध्या के राम मंदिर दान विवाद में आज सुबह-सुबह पुलिस ने सभी आरोपियों के घर छापा मारा है। पुलिस की कई टीमों ने एक साथ अयोध्या में आरोपियों के घरों पर दबिश दी है। इस दौरान परिवार के लोगों और पड़ोसियों से पूछताछ की गई। कुछ आरोपियों के घरों पर ताला लगा मिला है। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस का मानना है कि आरोपियों के घर से चोरी की गई राशि या आभूषण वगैरह बरामद हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,पुलिस में आरोपी अविनाश शुक्ला के कौशलपुरी स्थित घर पर दबिश दी। उनके न मिलने पर पुलिस ने कौशलपुरी में किराना स्टोर चलाने वाले राहुल कुमार से पूछताछ की। वहीं, ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का करीबी और ड्राइवर रामशंकर यावद उर्फ टिन्नू यादव के घर भी पुलिस टीम पहुंची। हालांकि, यहां ताला लगा मिला। इसके बाद पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। दरअसल, राम मंदिर को मिले चंदे और ट्रस्ट द्वारा जमीन खरीद की प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप हैं। कथित तौर पर राम मंदिर को मिले चंदे में सेंध लगाई गई, हिसाब नहीं रखा गया, दान में मिले सोने-चांदी के आभूषण गायब हो गए और ट्रस्ट ने मनमाने ढंग से जमीन खरीदी। इस मामले में 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं,राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इस्तीफा दे दिया है।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों को 8 दिन की पुलिस कस्टडी,1.5 करोड़ के प्रश्नपत्र बरामद

ठाणे,28 जून 2026। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों को रविवार को भिवंडी कोर्ट ने 6 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से परीक्षा के चारों सेट बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपये बताई जा रही है। भिवंडी कोर्ट में पेश किए गए तीनों आरोपियों को 8 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है। बचाव पक्ष के वकील शैलेश गायकवाड़ ने कोर्ट के फैसले की पुष्टि की। पुलिस ने गोपनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए बिहार के राजू शाव,आकाश कुमार और हरियाणा के धीरज सिंह को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार,गिरोह ने पेपर को 1.5 करोड़ रुपये में बेचने की तैयारी की थी। जांच में इस संगठित गिरोह के तार बिहार, हरियाणा,दिल्ली और महाराष्ट्र से जुड़े होने की बात सामने आई है।

19 महीने के बच्चे की कमाल याददाश्त : 170 से अधिक चीजें पहचानता है,इंडिया और इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

गिर सोमनाथ (गुजरात),28 जून 2026। आमतौर पर डेढ़ से दो साल के बच्चे बोलना सीखते हैं, लेकिन मूल रूप से जूनागढ़ के और सूरत में रहने वाले कर्ण परमार ने इस उम्र में 170 से अधिक चीजें पहचानकर नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया है। डिजिटल स्क्रीन से दूर रहकर फ्लैश कार्ड के जरिए डेवलप की गई शानदार याददाश्त को इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स और इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने सम्मानित किया है। 5 जुलाई, 2024 को जन्मे कर्ण परमार ने सिर्फ 1 साल 8 महीने की उम्र में अपनी अनोखी याददाश्त के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (आईबीआर अचीवर) में जगह बनाई। उसके ठीक एक महीने बाद, 1 साल 9 महीने की उम्र में, उसने इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सुपर टैलेंटेड किड (वन इन ए मिलियन) का मशहूर टाइटल जीता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपना टैलेंट दिखाया है। इस सफलता के लिए उसे मेडल और सर्टिफिकेट दिया गया है। इतनी कम उम्र में, कर्ण 170 से ज़्यादा चीज़ों को आसानी से पहचान लेता है, जिसमें इंग्लिश अल्फाबेट, फल, सब्जियां, जंगली और पालतू जानवर,पक्षी, गाडियां, अलग-अलग शेप,देशों के झंडे और भी बहुत कुछ शामिल है। वह फ्लैश कार्ड के जरिए हर चीज का नाम सही-सही पहचान लेता है। उसकी इस प्रतिभा की आधिकारिक पुष्टि 14 मार्च, 2026 को हुई। कर्ण के पिता मिथुनभाई परमार ने कहा, हमने कर्ण को जन्म से ही मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन से पूरी तरह दूर रखा है। अभी, वह 170 से ज़्यादा चीज़ों को आसानी से पहचान सकता है। इतनी कम उम्र में उसके टैलेंट को जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है, वह हमारे पूरे परिवार के लिए गर्व और खुशी की बात है। कर्ण की इस कामयाबी के पीछे उनकी मां नेहालबेन परमार की लगातार मेहनत, सब्र और लगन है।

उन्होंने बच्चे को मोबाइल से दूर रखा और किताबों,फ्लैश कार्ड, एजुकेशनल गेम्स और रोजाना पढ़ाई के जरिए उसकी याददाश्त और ज्ञान को बढ़ाया। आज के समय में, जब छोटे बच्चे मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन की तरफ तेजी से आकर्षित होते हैं, कर्ण का उदाहरण माता-पिता को एक सकारात्मक मैसेज देता है कि सही गाइडेंस और क्वालिटी टाइम बच्चे के टैलेंट को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। कर्ण के पिता सूरत में बारकोड प्रिंटर का बिजनेस चलाते हैं।

दिल्ली स्वास्थ्य घोटाले में बड़ा एक्शन...पूर्व डीजीएचसी डॉ. वत्सला अग्रवाल समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली,28 जून 2026। दिल्ली सरकार की एंटी करप्शन ब्रांच ने स्वास्थ्य विभाग में हुए एक बड़े वित्तीय घोटाले का पर्दाफाश करते हुए पूर्व डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज डॉ. वत्सला अग्रवाल को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को हुई इस महत्वपूर्ण गिरफ्तारी के साथ ही एसीबी ने इसी मामले में डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स, नीरज चोपड़ा को भी हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई इस घोटाले के सिलसिले में पहले के दौरान हुई पूछताछ के आधार पर की गई है। इस बड़ी गिरफ्तारी ने दिल्ली के स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा दिया है और जांच की आंच कई अन्य उच्चाधिकारियों तक पहुंचने की संभावना है। यह कथित घोटाला मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों के लिए दवाइयों, सर्जिकल सामान और महंगे मेडिकल उपकरणों की खरीद में की गई भारी वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच में यह सामने आया है कि डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के अधीन कार्यरत 'सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी' के माध्यम से कई सौ करोड़ रुपये की खरीद प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धांधली की गई। एसीबी की जांच टीम अब पूरे मामले में संदिग्ध वित्तीय लेन-देन, टेंडर प्रक्रिया और इसमें शामिल अधिकारियों की भूमिका को बारीकी से खंगाल रही है। माना जा रहा है कि यह घोटाला सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाने की एक सोची-समझी साजिश थी।

गिरफ्तार किए गए डॉ. विनोद कुमार रंगा की चार दिन की पुलिस रिमांड

राहुल गांधी के गुमशुदगी पोस्टर पर कांग्रेस का पलटवार,पीएम मोदी से पूछे बड़े सवाल आखिर क्यों...

नई दिल्ली,28 जून 2026। राहुल गांधी के कथित 'गुमशुदगी' वाले पोस्टरों ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में नया उबाल ला दिया है। बीजेपी के प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने राहुल गांधी के विदेश दौरों पर सवाल उठाते हुए तीखा हमला बोला है। भंडारी का तर्क है कि देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि विपक्ष का मुख्य चेहरा इस समय कहाँ है और उनका आगामी कार्यक्रम क्या है। यह पोस्टर वार अब एक व्यापक राजनीतिक बहस में बदल चुका है, जहाँ बीजेपी कांग्रेस के नेतृत्व पर सवाल उठा रही है।

राजेंद्र पाल गौतम का पलटवार और सरकार पर निशाना : कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम ने बीजेपी के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे भटकाने वाली राजनीति करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सवाल राहुल गांधी की मौजूदगी पर नहीं, बल्कि वर्तमान सरकार की विफलताओं और जनहित के कार्यों पर होने चाहिए। एबीपी न्यूज़ के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि जो लोग पोस्टरबाजी कर रहे हैं, उन्हें पहले प्रधानमंत्री के कामकाज का हिसाब देना चाहिए। गौतम का आरोप है कि देश की संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव डालकर मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है।

यूपी में कांग्रेस की आक्रामक चुनावी रणनीति : उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए राजेंद्र पाल गौतम ने एक ठोस कार्ययोजना पेश की है। उन्होंने दावा किया कि आगामी डेढ़ महीने के भीतर पार्टी गांव से लेकर प्रदेश स्तर तक का मजबूत ढांचा तैयार कर लेगी। इस रणनीति के तहत 'जन-संवाद' कार्यक्रम चलाकर जनता की बुनियादी समस्याओं को सीधे सुना जाएगा। पार्टी इसी फीडबैक के आधार पर अपना घोषणापत्र तैयार करेगी और चुनाव लड़ने वाले मजबूत प्रत्याशियों की पहचान करने की प्रक्रिया भी इसी समय शुरू कर दी जाएगी। राजेंद्र पाल गौतम ने राम मंदिर चंदा घोटाले के मुद्दे को आगामी चुनाव का मुख्य एजेंडा बनाने का ऐलान किया है।

संपादकीय

नागरिकता का प्रमाण-पत्र

पिछले दिनों विदेश मंत्रालय ने जब यह कहा कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है,बल्कि मात्र यात्रा का दस्तावेज है तो एक बहस चल पड़ी। अनेक लोग संशय में आकर सवाल करने लगे कि यदि पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाएगा तो फिर विदेश में कोई भारतीय नागरिक किस तरह अपनी नागरिकता प्रमाणित कर सकता है?

ध्यान रहे कि यह प्रबल धारणा रही है कि पासपोर्ट नागरिकता का एक भरोसेमंद प्रमाण होता है। इसका कारण यह है कि पासपोर्ट गहन छानबीन के बाद ही प्रदान किया जाता है और पासपोर्ट विभाग की ओर से यह सुनिश्चित किया जाता है कि किसी अन्य देश का नागरिक भारत का पासपोर्ट हासिल न कर सके। यदि कोई गलत जानकारी देकर पासपोर्ट हासिल कर लेता है तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी होती है।

समस्या केवल यह नहीं है कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण नहीं है। समस्या यह है कि आधार,ड्राइविंग लाइसेंस,मतदाता पहचान पत्र और ऐसे ही अन्य कई दस्तावेजों को भी नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाता। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के दौरान चुनाव आयोग ने भी ऐसा ही कहा और सुप्रीम कोर्ट ने भी। पासपोर्ट के मामले में विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद यह साफ हुआ कि पासपोर्ट अधिनियम भी यही कहता है कि यह महज यात्रा की अनुमति देने वाला एक दस्तावेज है,न कि नागरिकता का प्रमाण पत्र। संसद से 1967 में पारित पासपोर्ट अधिनियम के अनुसार केंद्र सरकार जनहित में या विशेष परिस्थितियों में उन व्यक्तियों को भी पासपोर्ट जारी कर सकती है, जो भारत के नागरिक नहीं हैं।

इस अधिनियम की धाराओं के आधार पर बंबई उच्च न्यायालय ने एक मामले में यह निर्णय भी दिया था कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है। स्पष्ट है कि पासपोर्ट मामले में विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद मामले के राजनीतिकरण करने का कोई औचित्य नहीं। इसलिए और भी नहीं,क्योंकि पासपोर्ट अधिनियम तो कांग्रेस की सरकार के समय में पारित हुआ था। यदि पासपोर्ट वास्तव में नागरिकता का प्रमाण पत्र होता तो उक्त अधिनियम में ऐसा दर्ज किया जाता।

नागरिकता का निर्धारण सिटिजनशिप एक्ट,1955 के तहत होता है। इस अधिनियम के अनुसार नागरिकता का निर्धारण कुछ प्रमुख आधारों पर होता है, जैसे जन्म और वंश। भारत में जन्मा वह व्यक्ति भारतीय नागरिक है, जिसके माता-पिता भी भारत में जन्मे हों। इसी तरह भारत के बाहर जन्मा व्यक्ति भी भारतीय नागरिक हो सकता है,यदि उसके जन्म के समय उसके माता-पिता में से कोई एक भारत का नागरिक रहा हो।

भारतीय मूल के ऐसे व्यक्ति,जो भारत में सात साल तक रह चुके हों या भारतीय नागरिकों से विवाहित हों,वे भी भारत की नागरिकता प्राप्त करने के अधिकारी हो सकते हैं। ऐसा विदेशी नागरिक,जो 12 वर्ष से भारत में रह रहा हो, उसे भी भारत की नागरिकता प्रदान की जा सकती है। इसके अलावा यदि कोई नया क्षेत्र भारत का हिस्सा बनता है, तो उस क्षेत्र के लोगों को भारत सरकार द्वारा नागरिकता प्रदान की जाती है।

विडंबना यह है कि सिटिजनशिप एक्ट में नागरिकता का निर्धारण करने वाले नियम तो स्पष्ट किए गए हैं,लेकिन इस एक्ट के तहत भारतीय नागरिकों को कोई विशिष्ट पहचान पत्र नहीं दिया जाता,जैसा कि कई देशों में किया जाता है। अपने देश में ऐसा इसके बाद भी नहीं किया जाता कि यह एक्ट इसकी सिफारिश करता है कि भारत सरकार प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य पंजीकरण कर सकती है, उसे राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी कर सकती है और अपने नागरिकों का रजिस्टर यानी एनआरसी तैयार कर सकती है।

भारत में बहुत कम ऐसे लोग हैं,जिनके पास उनके माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र होंगे। तमाम लोग तो ऐसे हैं,जिनका खुद का भी जन्म प्रमाण पत्र नहीं है। इसी कारण अगर किसी कारण नौकरशाही किसी की नागरिकता पर सवाल उठा दे तो उसके लिए यह प्रमाणित करना कठिन हो जाता है कि वह भारत का नागरिक है। अब जब विदेश मंत्रालय ने यह स्पष्ट कर दिया कि पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं है तब फिर बेहतर होगा कि सरकार यह स्पष्ट करे कि भारतीय नागरिकों की नागरिकता को प्रमाणित करने वाले किसी तरह के पहचान पत्र जारी करने की उसकी कोई योजना है या नहीं? एक समय जब लालकृष्ण आडवाणी गृह मंत्री थे तो उन्होंने नागरिकता प्रमाण पत्र के लिए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर यानी एनआरसी तैयार करने की पहल की थी,लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकी।

इसके बाद मनमोहन सिंह सरकार के समय गृह मंत्री के रूप में चिदंबरम ने आधार को एनआरसी से जोड़ने की कोशिश की,लेकिन यह कोशिश भी कामयाब नहीं हो सकी और इस तरह आधार पहचान पत्र के रूप में ही मान्य होकर रह गया। इसके बाद मोदी सरकार ने जब नागरिकता कानून में संशोधन किया तो उसकी ओर से यह कहा गया कि इसके बाद एनआरसी तैयार किया जाएगा,मगर नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए के खिलाफ विपक्षी दलों की ओर से एक अभियान छेड़ दिया गया।

इसका नतीजा यह हुआ कि इस कानून को लागू करने में तो देरी हुई ही, एनआरसी की प्रक्रिया भी ठंडे बस्ते में चली गई। एनआरसी की आवश्यकता इसलिए जताई गई थी,ताकि घुसपैठियों की पहचान की जा सके। एनआरसी के बाद एसआईआर के जरिये घुसपैठियों की पहचान के जतन किए गए,लेकिन सब जानते हैं कि एसआईआर घुसपैठियों की पहचान करने की ठोस प्रक्रिया नहीं। चुनाव आयोग केवल यही सुनिश्चित करता है कि मतदाता पहचान पत्र भारतीय नागरिक को ही मिले। वह ऐसे किसी व्यक्ति को मतदाता पहचान पत्र जारी करने से इन्कार कर सकता है, जिसकी नागरिकता के बारे में उसे संदेह हो,लेकिन वह भारत का नागरिक है या नहीं,यह सिद्ध करना उसका काम नहीं।
यह काम तो गृह मंत्रालय का है। इन स्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार नागरिकता साबित करने वाले किसी दस्तावेज को जारी करने की व्यवस्था करे। ऐसे किसी दस्तावेज को लेकर पक्ष-विपक्ष के बीच सहमति बननी चाहिए। भारत जैसे देश में जहां तरह-तरह के दस्तावेज छल-छद्म से बन जाते हैं,वहां कोई एक ऐसा प्रमाण पत्र होना चाहिए,जो नागरिकता का दस्तावेज हो।

आंकड़ों से आत्मनिर्भरता तक : सांख्यिकी की बढ़ती शक्ति

आंकड़ों से भविष्य गढ़ने का विज्ञान है सांख्यिकी...

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है। आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाने के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था और इस आशय की अधिसूचना भारत के राजपत्र में 5 जून 2007 को प्रकाशित की गई थी। 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' का वर्ष 2026 का विषय है।'प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना',जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विशाल प्रशासनिक आंकड़े केवल अभिलेख नहीं हैं बल्कि वे नीति निर्माण, सेवा वितरण,पारदर्शिता,जवाबदेही और समावेशी विकास के सबसे प्रभावी उपकरण बन सकते हैं। 29 जून 1893 को कलकत्ता में जन्मे प्रो. पी.सी. महाल नोबिस जाने-माने भारतीय सांख्यिकी विद् थे,जिन्होंने'महाल नोबिस दूरी' तैयार करने के अलावा दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के लिए भारत की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो डेटा सेटों के बीच तुलना का एक माप तैयार किया था,जिसे अब'महालनोबिस दूरी' के रूप में जाना जाता है। प्रो. महालनोबिस ने 17 दिसम्बर 1931 को कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी,जिसे 1959 में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की स्थापना की।

प्रो. महालनोबिस एक प्रशिक्षित भौतिक विज्ञानी थे,जिन्होंनेअपने शिक्षक डब्ल्यू एच मैकाले के कहने पर 'बायोमेट्रिका' नामक एक किताब पढ़ी और वह किताब पढ़ने के बाद ही उनका रुझान सांख्यिकी की ओर होने लगा था। उसके बाद ही उन्होंने पता लगाया कि मौसम विज्ञान और मानव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी का उपयोग किया जा सकता है। यही उनके वैज्ञानिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। भारत में एंथ्रोपोमेट्री अथवा मानव माप के अध्ययन के क्षेत्र में वे अग्रणी थे और उन्होंने बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण तथा नमूनाकरण विधियों के डिजाइन में भी सहायता की। उन्होंने फेल्डमैन-महालनोबिस मॉडल बनाया, जो आर्थिक विकास का एक नव-मार्क्सवादी मॉडल था,जिसका उपयोग भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में किया गया,जिसने देश में तेजी से औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के पहले योजना आयोग में भी काम किया और उन्हें उनके महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उन्होंने नई तकनीकों का आविष्कार किया और अव्यवस्थित नमूने की विधि का उपयोग करके एकड़ और फसल की पैदावार की गणना की। लोगों के विभिन्न समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों की

तुलना करने के लिए उन्होंने फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की। बाढ़ नियंत्रण के लिए उन्होंने सांख्यिकी को आर्थिक नियोजन में भी लागू किया। 28 जून 1972 को कलकत्ता में प्रो. महाल नोबिस का निधन हो गया। सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों और योगदान के सम्मान में ही हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है।
माना जाता है कि सांख्यिकी की उत्पत्ति हजारों वर्ष पूर्व की गई जनगणना में हुई थी लेकिन एक विशिष्ट वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में इसे 19 वीं शताब्दी की शुरुआत में आबादी,अर्थ व्यवस्थाओं और नैतिक कार्यों के अध्ययन के रूप में और बाद में उस शताब्दी में ऐसी संख्याओं के विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सही मायनों में लोगों को यह समझाता है कि नीतियों को आकार देने और तैयार करने में सांख्यिकी किस प्रकार मदद करती है और इस दिवस को मनाते हुए यह उम्मीद की जाती है कि यह आयोजन सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता बढ़ाएगा। प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए हम प्रायः कुछ एजेंसियों अथवा विभागों की घोषणाओं पर ही भरोसा करते हैं। दरअसल भूकम्प,मौसम और ज्वालामुखी संबंधी भविष्यवाणियों की गणना सांख्यिकीय तरीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से ही की जाती है। रिकॉर्ड और फॉर्मूले के बगैर हम यह अनुमान ही नहीं लगा सकते कि नवीनतम तूफान या कोई बड़ा भूकम्प कब आएगा और ऐसे में हम इसके अभाव में समय रहते आवश्यक सावधानियां नहीं बरत सकते। इसके लिए आंकड़े ही हमें सचेत करते हैं ताकि हम आपातकालीन स्थिति के लिए पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकें, जिससे जान-माल का नुकसान न्यूनतम हो सके। सांख्यिकी अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने,विश्लेषण करने,व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के तरीकों के विकास और अध्ययन से संबंधित विज्ञान है। यह गणित की वह शाखा है, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण,प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों के आकलन का अध्ययन किया जाता है। सांख्यिकी एक गणितीय विज्ञान है,जिसमें किसी वस्तु,अवयव,तंत्र अथवा समुदाय से संबंधित आंकड़ों का संग्रह,विश्लेषण, व्याख्या या स्पष्टीकरण और प्रस्तुति की जाती है। सांख्यिकी की सहायता से ही देश में अशिक्षा,बेरोजगारी,अपराध, भिक्षावृत्ति इत्यादि विभिन्न सामाजिक समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की जाती है, साथ ही इन समस्याओं के समाधान के उपाय तथा वे उपाय कहां तक सफल हुए हैं,इनका पता भी सांख्यिकी की मदद से ही लगाया जा सकता है। सांख्यिकी में आंकड़े दो प्रकार के होते हैं,वर्णनात्मक और अनुमानात्मक, जिनका उपयोग ज्यादातर रिकॉर्ड रखने,संभावनाओं की गणना करने और ज्ञान प्रदान करने के लिए किया जाता है। यह हमें संख्याओं और अन्य मात्रात्मक जानकारी के माध्यम से दुनिया को थोड़ा बेहतर ढ़ंग से समझने में मदद करता है,अर्थात् ऐसी संख्याएं, जो किसी तथ्य पर प्रकाश डालती हों, आंकड़े कहलाती हैं। आंकड़े सदैव संख्या में ही व्यक्त किए जाते हैं और यह गणनात्मक होते हैं। आंकड़ों का संग्रहण किसी पूर्व निश्चित उद्देश्य के लिए ही किया जाता है,हालांकि आंकड़ों का संकलन करते समय उनकी शुद्धता एवं सत्यता पर विशेष ध्यान दिया जाना जरूरी होता है।

प्रारंभिक वर्ष किसी राष्ट्र के आर्थिक भविष्य को कैसे आकार देते हैं...

डॉ विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

किसी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति केवल उद्योगों,सड़कों,कारखानों और तकनीकी विकास पर निर्भर नहीं करती। उसकी वास्तविक शक्ति उसके नागरिकों में निहित होती है,और नागरिकों की क्षमता का निर्माण जीवन के प्रारंभिक वर्षों में ही शुरू हो जाता है। जन्म से लेकर लगभग आठ वर्ष की आयु तक का समय बच्चे के शारीरिक,मानसिक,सामाजिक और भावनात्मक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही कारण है कि प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास को किसी भी राष्ट्र के आर्थिक भविष्य की आधारशिला माना जाता है।

मानव पूंजी का निर्माण

आधुनिक अर्थशास्त्र में मानव पूंजी को राष्ट्र की सबसे मूल्यवान संपत्ति माना जाता है। मानव पूंजी का अर्थ है–लोगों का ज्ञान,कौशल,स्वास्थ्य,रचनात्मकता और कार्य करने की क्षमता। एक स्वस्थ, शिक्षित और कुशल जनसंख्या ही उत्पादकता बढ़ाती है,नवाचार को प्रोत्साहित करती है और आर्थिक विकास को गति देती है।

मानव पूंजी का निर्माण बचपन के शुरुआती वर्षों में ही शुरू हो जाता है। यदि बच्चों को उचित पोषण,स्वास्थ्य सेवाएँ, सुरक्षित वातावरण और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिलती है,तो वे भविष्य में अधिक सक्षम और उत्पादक नागरिक बनते हैं।

मस्तिष्क विकास का स्वर्णिम काल

वैज्ञानिकों के अनुसार जीवन के पहले पाँच वर्षों में मस्तिष्क का लगभग 90

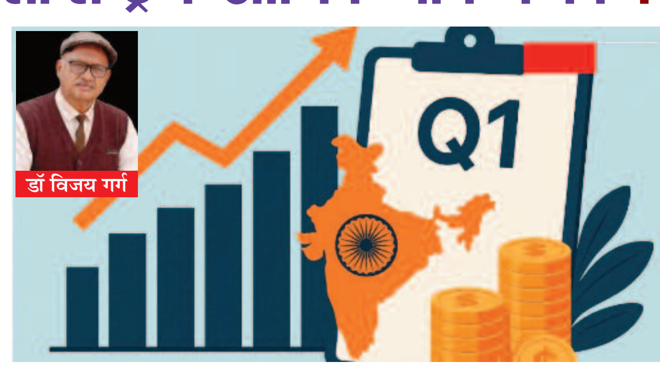

डॉ विजय गर्ग

प्रतिशत विकास हो जाता है। इस दौरान अरबों तंत्रिका संबंध बनते हैं, जो सीखने,सोचने,निर्णय लेने और समस्याओं को हल करने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

यदि इस अवधि में बच्चे को सकारात्मक अनुभव,स्नेह और सीखने के अवसर मिलते हैं,तो उसका बौद्धिक विकास बेहतर होता है। इसके विपरीत, कुपोषण,उपेक्षा और तनाव उसके विकास को बाधित कर सकते हैं। ऐसे बच्चों की शैक्षिक उपलब्धियाँ और भविष्य की आय क्षमता प्रभावित हो सकती हैं, जिसका असर अंततः राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है।

पोषण : सबसे पहला निवेश

अच्छा पोषण किसी भी बच्चे के विकास की बुनियाद है। गर्भावस्था से लेकर बचपन तक संतुलित आहार मस्तिष्क और शरीर के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक है। कुपोषित बच्चों में सीखने की क्षमता कम हो सकती है और वे भविष्य में कम उत्पादक कार्यबल का हिस्सा बन सकते हैं।
विश्व स्तर पर किए गए अनेक अध्ययनों से पता चलता है कि बचपन में पोषण पर किया गया निवेश भविष्य में उच्च आय, बेहतर स्वास्थ्य और अधिक उत्पादकता के रूप में कई गुना लाभ देता है।

प्रारंभिक शिक्षा और कौशल विकास

गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा बच्चों में भाषा,गणितीय सोच,रचनात्मकता और सामाजिक कौशल विकसित करती है। प्री-स्कूल और प्रारंभिक शिक्षा कार्यक्रम बच्चों को विद्यालयी शिक्षा के लिए तैयार करते हैं और उनकी सीखने की क्षमता को मजबूत बनाते हैं।
ऐसे बच्चे आगे चलकर बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन करते हैं, उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं और अधिक आय अर्जित करते हैं। इससे राष्ट्र को एक कुशल और प्रतिस्पर्धी कार्यबल प्राप्त होता है,जो आर्थिक विकास का प्रमुख चालक बनता है।

स्वास्थ्य और भावनात्मक विकास

सिर्फ शिक्षा ही नहीं,बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। स्वस्थ बच्चे बेहतर सीखते हैं और अधिक उत्पादक वयस्क बनते हैं। इसी प्रकार, भावनात्मक रूप से सुरक्षित वातावरण में पले-बढ़े बच्चे आत्मविश्वास,सहयोग और नेतृत्व जैसे गुण विकसित करते हैं। आज की ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में ये सामाजिक और भावनात्मक कौशल तकनीकी कौशल जितने ही महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

गरीबी के चक्र को तोड़ने का माध्यम

प्रारंभिक बाल्यावस्था में निवेश सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को कम करने का एक प्रभावी साधन है। गरीब परिवारों के बच्चों को अक्सर शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ता है। यदि सरकारें और समाज इन बच्चों के लिए प्रारंभिक सहायता और अवसर प्रदान करें,तो वे भी अपनी पूरी क्षमता विकसित कर सकते हैं।
इससे गरीबी का पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलने वाला चक्र टूटता है और सामाजिक गतिशीलता बढ़ती है।

राष्ट्र के लिए दीर्घकालिक लाभ

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि प्रारंभिक बाल विकास पर किया गया निवेश सबसे अधिक प्रतिफल देने वाले सार्वजनिक निवेशों में से एक है। इससे भविष्य में उच्च उत्पादकता, बेहतर रोजगार,कम अपराध दर,बेहतर स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता जैसे लाभ प्राप्त होते हैं। जो राष्ट्र अपने बच्चों के विकास को प्राथमिकता देते हैं, वे दीर्घकाल में अधिक समृद्ध, नवाचारी और प्रतिस्पर्धी बनते हैं।

अच्छा लगता है...

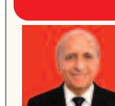

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

खिला हुआ गुलाब,
हंसता हुआ चेहरा,
परिश्रम से सफलता,
बुजुर्गों का आशीर्वाद,
बुजुर्गों की सेवा करना,
अच्छे काम में आगे रहना,
ईश्वर में आस्था रखना,
गुस्से पर कंट्रोल करना,
इच्छाओं को सीमित रखना,
कृष्ण सुदामा की तरह,
ईमानदारी से दोस्ती निभाना,
पिता का आज्ञाकारी होना,
सात्विक प्रवृत्ति का होना,
मांस मदिरा का त्याग करना,
महिलाओं की अस्मत बचाना,
कन्या भ्रूण हत्या का ना करना,
अपना काम इमानदारी से करना,
शिक्षा के बदले,खुद अमल करना,
हर हाल में खुश और संतुष्ट रहना,
किसी के प्रति ईर्ष्या ना रखना,
दान पुण्य करते रहना,
कुछ मिलने पर शुक्र करना,
ना मिलने पर सब्र करना,
सत्य,अहिंसा की पालना करना,
आदमी अगर यह सब करें,
तो बहुत अच्छा लगता है।

मेरे भोले-भाले भोले

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
इन्दौर,
मध्यप्रदेश

मेरे भोले-भाले भोलेजी,
एक शाम यहां भी आ जाओ,
इस धरा के पावन आंगन में,
एक प्रेम भजन तुम गा जाओ।
मेरे भोले-भाले ...
माटी के कण-कण में हो तुम,
जीवन अहसास कराते हो,
भोले तुम हो हर-एक छवि,
जित देखूं नजर आ जाते हो।
मेरे भोले-भाले ...
सब कहते हैं हमसे भोले,
चक्कर चौरासी के होते,
जो कर्म भले वो तुम करते,
भोले सारे चक्कर हरते।
मेरे भोले-भाले ...
द्वार खड़े हम पशुपतिनाथ के,
मन हर्षित है पावन कर जाओ,
भोले ही कल और आज हैं ,
ये बात है सार समझ जाओ।
मेरे भोले-भाले ...
मैंने गीत लिखे कुछ भोले के,
भोले ही उसमें बसते हैं,
जब गा-गा कर मैं सुनाता हूं,
पल-पल में भोले हंसते हैं।
मेरे भोले-भाले ....

चंदा चोरी में क्यों उठ रही हैं न्यास से जुड़े सरकारी नुमांइदों पर उंगली

अजय कुमार,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में प्रभु रामलला मंदिर न्यास के भीतर जो चंदा सम्बंधी अनियमितता और चोरी का मामला सामने आया,वह न केवल धन के लेन-देन की सवालिया निशानियों को उजागर करता है,बल्कि यह भी दिखाता है कि न्यास और सरकारी पदों के बीच किस तरह का गहन घालमेल होता है। दरअसल,राम लला के मंदिर में चंदा चोरी के पीछे विश्वासघात दो पक्ष दिखाई दे रहे हैं,एक,जो सार्वजनिक विश्वास का स्वामी है,और दूसरा,जो उसी विश्वास का रखवाला बनकर उसमें हेरफेर करता है। यह मामला उसी द्वंद्व का मानवीय और प्रशासकीय चित्र है। प्रभु राम लला के मंदिर में चंदा चोरी का मामला तब जनता के समक्ष आया जब मद्दे नज़र चंदा खाते के असामान्य रिकार्ड,निकासी और लेन-देन की रिपोर्टें आईं। सूचनाओं के आधार पर एक विशेष जांच दल ने प्रारंभिक जाँच की और कुछ लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी भी हुई। पर आश्चर्य यह है कि न्यास का गठन और उसमें पदेन शामिल सरकारी अनुशासन पर किसी भी प्रकार की पूछताछ की आवाज़ सुनी नहीं गयी। यही वह बिंदु है जहाँ आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ और प्रश्न उभरे कि क्या किसी अमुक अधिकारी ने अपनी पदेन उपस्थिति का दायित्व पूरी तरह निभाया या नहीं।
गौरतलब है, राम लला मंदिर न्यास में धार्मिक,सामाजिक और सरकारी प्रतिनिधि साथ मिलकर कार्य करते हैं। कई बार जिलाधिकारी, पुलिस प्रमुख, कर विभाग या स्थानीय शासकीय अधिकारी न्यास के आचार-नियमों के अनुसार पदेन सदस्य होते हैं। यह व्यवस्था इसलिए होती है ताकि मंदिर-सम्बन्धी संपत्ति और सार्वजनिक व्यवस्था में सरकारी निगरानी बनी रहे। पर जब उसी व्यवस्था के माध्यम से चंदे की हेराफेरी हो,तो सवाल उठते हैं कि पदेन सदस्य किस हद तक अपनी जवाबदेही निभा रहे थे। ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो समय-समय पर कई आईएएस और अन्य अधिकारी न्यास के साथ जुड़े रहे हैं। जिलाधिकारी की उपस्थिति स्वाभाविक रही है क्योंकि जिलाधिकारी का कर्तव्य स्थानीय शांति-व्यवस्था और सरकारी नियमों का संरक्षण करना है। जिलाधिकारी के अलावा पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी,तथा कर और राजस्व सम्वंधी अधिकारी भी न्यास की बैठकों में अक्सर शामिल होते रहे हैं। कुछ नाम सार्वजनिक अभिलेखों और सूचनाओं में दिखते हैं, पर इन्हें यहाँ सीधे आरोपी नहीं दर्शाया जा सकता। यही कारण है कि अब तक आधिकारिक बयान और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है कि किन-किन अधिकारियों का वक्तव्य रिकॉर्ड हुआ और किस स्तर की जवाबदेही तय की जायेगी।
यह भी ध्यान देने योग्य है कि सरकारी अधिकारी जब पदेन सदस्य के रूप में किसी न्यास से जुड़े होते हैं तो उनका कर्तव्य स्पष्ट होता है, पारदर्शिता सुनिश्चित करना,लेखा-जोखा का लेखा परीक्षण करवाना और सभी कानूनी नियमों का पालन कराना। यदि इन कर्तव्यों में कोई चूक हुई हो, तो साधारण लोक मान्यताओं के अनुसार उनकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। पर व्यवहार में प्रशासनिक अनुशासन के नियम,विभागीय जांच और सेवा नियमों की प्रक्रियाएँ कठिन और धीमी हो सकती हैं, इसलिए जनता में असंतोष उभरता है कि तुरंत किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। ध्यान देने वाली बात यह है कि वित्तीय अनियमितता अक्सर कुशलता से गुप्त रखी जाती है। चंदे के बहाव को पतला करने के लिए कई माध्यम अपनाये जा सकते हैं अलग-अलग खातों में विभाजन,औप चारिक दस्तावेजों में छेड़छाड़, और लेखा-जोखा में देरी यह सब भ्रष्टाचार के हथकंडे हैं। जब जांच दल ने गहन जाँच की तो कहीं-कहीं उन प्रक्रियाओं के निशान मिले जो बतलाते हैं कि लंबे समय से व्यवधान की गुंजाइश मौजूद थी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या पदेन सरकारी निगरानी उपस्थिति सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई थी,या क्या किसी पदाधिकारी ने जान-बूझकर दृष्टि अंधी की।

नागरिकों का भरोसा धार्मिक संस्थाओं पर तभी बना रहता है जब प्रशासनिक तथा धार्मिक नेतृत्व दोनों पारदर्शी और जवाबदेह हों। आज जब चंदे की चोरी जैसे आरोप सामने आते हैं,तो सिर्फ पकड़ या गिरफ़्तारी ही समाधान नहीं है। एक ठोस लेखा-जोखा प्रणाली, नियमित बाह्य लेखा-निरीक्षण, और न्यास के कामकाज में नागरिकों की निगरानी जैसी व्यवस्थाएँ लागू होनी चाहिएं। साथ ही, पदेन जुड़े सरकारी अधिकारियों की भूमिका पर स्पष्ट दिशानिर्देश और समय-समय पर उनकी जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया भी आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना को रोका जा सके।इस पूरे घटनाक्रम में स्थानीय लोकनेता और समाज-सेवी भी सक्रिय हुए हैं। उन्होंने मांग की है कि जिन अधिकारियों ने न्यास की देखरेख में खामी की, उनकी जिम्मेदारी तय की जाए। साथ ही, जनता जानना चाहती है कि वर्तमान समय में किन-किन सरकारी अधिकारियों का नाम न्यास से जुड़ा हुआ दर्ज है। यह जानकारी आम तौर पर न्यास के दायर दस्तावेजों,सरकारी आदेशों और स्तरवार बैठकों के अभिलेखों में मिलती है।
पर प्रशासनिक जवाबदेही और गोपनीयता के कारण हर विवरण सार्वजनिक नहीं किया जाता। इसलिए नागरिक संगठन और कुछ पत्रकार इन अभिलेखों की माँग कर रहे हैं ताकि पारदर्शिता लाई जा सके।

प्राकृतिक आपदा आने से पहले तैयार रहना होगा

संजीव ठाकुर,
रायपुर,छत्तीसगढ़

आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बाहर होती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है,जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है । आर्थिक तंत्र एवं विकास तीतर बितर हो जाते हैं। आपदा की विद्रूपता, भयानक स्वरूप एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज,देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति.पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।
आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है,जहां भूकंप,सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है,एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ कोविड-19 के लिए सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए। आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति,महिलाएं,बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है,एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं,जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है। भारत के भू भाग का लगभग 58 प्रतिशत क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है,जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य,गुजरात का कुछ क्षेत्र,अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68 प्रतिशत भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है,इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12 प्रतिशत है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

सर्पदंश का कहर : नानी-नातिन समेत तीन की मौत,बारिश शुरू होते ही बढ़ीं घटनाएं

जमीन पर सोना पड़ा भारी,स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को किया सतर्क

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)।

बारिश का मौसम शुरू होते ही सरगुजा संभाग में सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने लगी हैं। बीते 24 घंटे के भीतर बलरामपुर और सरगुजा जिले में सर्पदंश से तीन लोगों की मौत हो गई। बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में एक ही परिवार की नानी और नातिन की जान चली गई,जबकि सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में एक वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीनों मामलों में पीड़ित जमीन पर सो रहे थे। लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से जमीन पर सोने से बचने और सर्पदंश होने पर तत्काल अस्पताल पहुंचने की अपील की है। जानकारी के अनुसार बलरामपुर जिले के राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घोरघड़ी के फूफंदीपारा निवासी 8 वर्षीय करिश्मा अपनी नानी नंदी (56) के घर ग्राम कोटागहना आई हुई थी। शनिवार रात दोनों घर के भीतर जमीन पर सो रही थीं। रात करीब 11 बजे जहरीले सांप ने पहले करिश्मा को डस लिया। नातिन को बचाने और सांप को हटाने के प्रयास में नानी नंदी भी सर्पदंश का शिकार हो गई। बच्ची की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल 108 एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर रवाना हुए, लेकिन चंद्रगढ़ के पास रविवार तड़के करीब 4 बजे रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इधर, नानी नंदी ने भी भोर करीब 3 बजे घर पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर राजपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए।

लखनपुर में महिला की मौत : इधर, सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नरकालो में भी सर्पदंश की एक और दुखद घटना सामने आई। यहां 62 वर्षीय मुनिया बाई अपनी बेटी शीतल और नाती-नातिनों के साथ घर के भीतर जमीन पर सो रही थीं। रात करीब 3 बजे उन्हें किसी जहरीले जीव के काटने का एहसास हुआ। शोर मचाने पर परिजन जागे और तलाश करने पर उनके पेटीकोट के भीतर करैत सांप मिला। परिजन तत्काल उन्हें संगवारी अस्पताल ले गए,जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान शनिवार शाम करीब 4 बजे उनकी भी मौत हो गई।

सावधानी बरतने की अपील

लगातार सामने आ रही सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन ने लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा है कि बारिश के मौसम में घर और आसपास साफ-सफाई रखें, झाड़ियों को हटाएं तथा यथासंभव जमीन पर सोने से बचें। यदि किसी व्यक्ति को सांप काट ले तो झाड़-फूंक या घरेलू उपचार के बजाय बिना समय गंवाए उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए। समय पर उपचार मिलने से अधिकांश मामलों में मरीज की जान बचाई जा सकती है।

घायल महिला की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज

चार दिन पहले हुए हादसे में इलाज का भरोसा देकर अस्पताल में छोड़ हुआ फरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर क्षेत्र में चार दिन पहले हुए सड़क हादसे में घायल महिला की शिकायत पर पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि तेज रफ्तार कार ने महिला को टक्कर मारने के बाद उसकी बेटी और उसकी सहेली को करीब 200 मीटर तक घसीट दिया। हादसे में तीनों घायल हो गए, जबकि महिला को गंभीर चोटें आईं। चालक इलाज कराने का भरोसा देकर निजी अस्पताल में भर्ती कराने के बाद फरार हो गया। जानकारी के अनुसार रिंकी कुमारी 25 जून को अपनी बेटी और उसकी सहेली के साथ गांधीनगर क्षेत्र में सब्जी खरीदने गई थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने पहले एक बाइक को टक्कर मारी और फिर सड़क किनारे खड़ी रिंकी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रिंकी की बेटी और उसकी सहेली भी कार की चपेट में आ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों को कार करीब 200 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। दुर्घटना में तीनों घायल हुए,जबकि रिंकी को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद कार चालक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए घायल महिला का पूरा इलाज कराने का आश्वासन दिया। वह रिंकी को शहर के महावीर अस्पताल लेकर गया,जहां प्राथमिक जांच में पसली की हड्डी टूटने की जानकारी दी गई। महिला का आरोप है कि इलाज से संतुष्ट नहीं होने पर वह दूसरे निजी अस्पताल पहुंची,जहां चालक ने उसे भर्ती तो कराया, लेकिन इसके बाद वहां से फरार हो गया। महिला ने बताया कि चालक का नाम प्रमोद है और उसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। घायल होने के बावजूद रिंकी रविवार दोपहर एंबुलेंस से गांधीनगर थाना पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी पुलिस को दी। महिला की शिकायत पर गांधीनगर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

साइबर ठगी में इस्तेमाल म्यूल अकाउंट का मामला दर्ज, अंबिकापुर के युवक पर कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)।

साइबर ठगी में कथित रूप से इस्तेमाल किए गए म्यूल बैंक खातों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। साइबर सेल के प्रतिवेदन के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) एवं 317(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार साइबर सेल, सरगुजा से प्राप्त पत्र के आधार पर जांच की गई। जांच में सत्यम केशरी निवासी सत्तीपारा के नाम से संचालित एक बैंक खाते को साइबर ठगी में प्रयुक्त लेयर-1 म्यूल अकाउंट पाया गया। संबंधित खाते से जुड़े मोबाइल नंबर का भी सत्यापन किया गया। जांच के दौरान पता चला कि संबंधित बैंक खाते के विरुद्ध राष्ट्रीय साइबर अपराध समन्वय पोर्टल पर विभिन्न राज्यों से ऑनलाइन शिकायतें दर्ज हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले के परसामलिक थाना क्षेत्र में 5,440 रुपए तथा पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नरेट के प्रधाननगर थाना क्षेत्र में 50 हजार रुपए की साइबर ठगी से संबंधित शिकायत शामिल है। पुलिस के अनुसार संबंधित व्यक्ति के नाम पर एक अन्य बैंक खाते की भी जानकारी मिली है, जिसकी गतिविधियां भी संदिग्ध पाई गई हैं। साइबर सेल के निर्देश पर खातों और उनसे जुड़े मोबाइल नंबरों की जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

आषाढ़ के प्रथम दिवस पर दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव आज एवं कल

ऐतिहासिक धरोहर,संस्कृति,साहित्य और लोककला का होगा भव्य संगम...

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे शुभारंभ,समापन समारोह में मुख्यमंत्री साय होंगे मुख्य अतिथि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)।

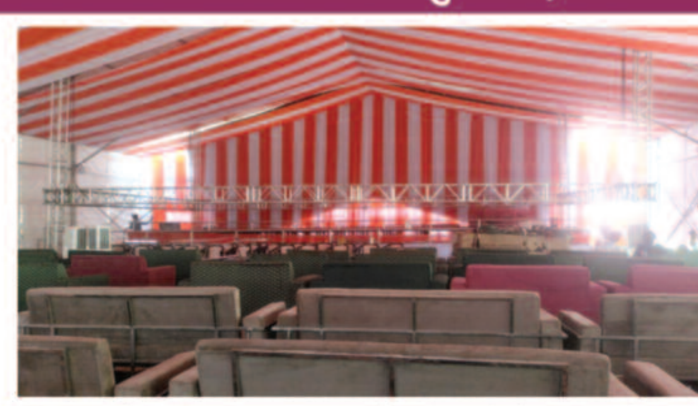

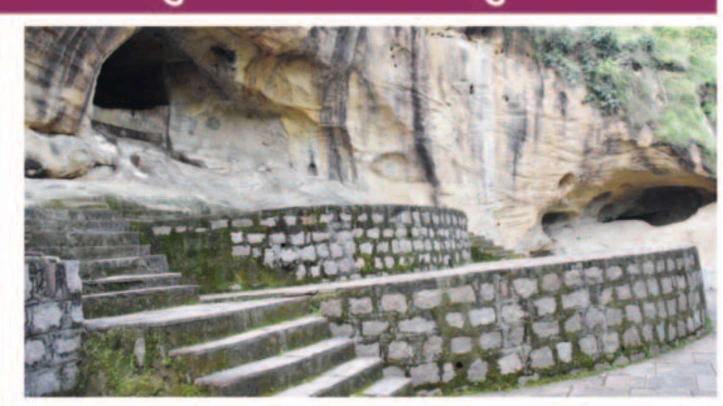

सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहर रामगढ़ में आषाढ़ के प्रथम दिवस आज एवं कल दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव में प्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति,इतिहास,पुरातत्व,साहित्य एवं पर्यटन का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। महोत्सव में जनप्रतिनिधि,साहित्यकार, इतिहासकार,कलाकार, पर्यटक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक शामिल होंगे।

आज पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री करेंगे शुभारंभ : महोत्सव का शुभारंभ आज प्रातः 10:30 बजे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से किया जाएगा। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत, उद्बोधन तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। दिनभर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति पर आधारित लोकनृत्य, लोकगीत एवं पारंपरिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। सायंकाल प्रदेश के सुप्रसिद्ध लोक एवं सांस्कृतिक कलाकार अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से महोत्सव की गरिमा बढ़ाएंगे। भव्य रामलीला का मंचन नई दिल्ली के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

रामगढ़ की ऐतिहासिक धरोहरों से होंगे रूबरू : महोत्सव के दौरान आगंतुकों को विश्व की प्राचीनतम रंगशाला के रूप में प्रसिद्ध सीताबेंगरा गुफा, ऐतिहासिक जोगीमारा गुफा, रामगढ़ पर्वत श्रृंखला तथा अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। इतिहास एवं पुरातत्व विशेषज्ञ इन धरोहरों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व की विस्तृत जानकारी देंगे।

कल साहित्य,संस्कृति और जन जातीय परंपराओं का होगा उत्सव : महोत्सव के दूसरे दिन 30 जून को साहित्य,इतिहास एवं संस्कृति पर केंद्रित परिचर्चाएं, लोककलाओं की प्रस्तुति,जनजातीय संस्कृति का प्रदर्शन,स्थानीय हस्तशिल्प एवं पारंपरिक उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करेंगे।

समापन समारोह में मुख्यमंत्री होंगे मुख्य अतिथि : रामगढ़ महोत्सव का समापन 30 जून को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा।

समापन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उत्कृष्ट प्रतिभागियों, कलाकारों एवं सहयोगियों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण एवं पर्यटन विकास से जुड़े विषयों पर अपने विचार भी व्यक्त करेंगे।

आईटीआई और हॉस्टल की जमीन पर विवाद : पट्टा सही या फर्जी? ग्रामीणों का सवाल,कार्रवाई का इंतजार,सरपंच के नेतृत्व में चक्काजाम की तैयारी

-सुदामा राजवाड़े-
राजपुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत करजी के उधेनुपारा में स्थित आईटीआई भवन एवं हॉस्टल की भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शासकीय भवन की सुरक्षा के लिए बनाए जा रहे बाउंड्रीवॉल निर्माण पर कथित पट्टाधारियों द्वारा आपत्ति जताते हुए न्यायालय से स्थगन आदेश लेने के बाद अब ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्राम पंचायत करजी के सरपंच संजय शांडिल्य के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच और निराकरण की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़क पर उतरकर चक्काजाम करने को मजबूर होंगे।

15 साल बाद सामने आया भूमि अधिकार का दावा : सरपंच द्वारा एसडीएम राजपुर को दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि उधेनुपारा स्थित आईटीआई भवन एवं हॉस्टल का निर्माण तत्कालीन सरकार के कार्यकाल में शासकीय भूमि पर कराया गया था। वर्षों से यहां छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, लेकिन निर्माण के समय से लेकर अब तक किसी ने भी भूमि पर अपना दावा नहीं किया। सरपंच का आरोप है कि अब जब छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को देखते हुए पंचायत द्वारा ग्राम सभा प्रस्ताव के बाद बाउंड्रीवॉल निर्माण कराया जा रहा था, तभी दुर्ग निवासी मदन सिंह एवं संतोष सिंह द्वारा भूमि पर अधिकार जताते हुए निर्माण रुकवा दिया गया।

दशकों तक खामोशी,निर्माण के वक्त ही क्यों जागा दावा? ग्रामीणों का सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि भूमि पर निजी अधिकार था तो आईटीआई भवन और हॉस्टल निर्माण के समय आपत्ति क्यों नहीं की गई? करीब एक दशक से अधिक समय तक शासकीय संस्था संचालित होती रही,तब तक कोई दावा सामने नहीं आया। लेकिन जैसे ही सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल का निर्माण शुरू हुआ, अचानक जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

पट्टे की वैधता पर उठ रहे सवाल : सरपंच ने अपने आवेदन में खसरा नंबर 554 और 555 सहित भूमि रिकॉर्ड का हवाला देते हुए सवाल उठाया है कि संबंधित जमीन रिकॉर्ड में तालाब एवं शासकीय उपयोग की भूमि के रूप में दर्ज बताई जा रही है। वहीं सेटलमेंट रिकॉर्ड में इसे छोटे झाड़ के जंगल के रूप में दर्ज होने का उल्लेख किया गया है। ऐसे में ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि यदि भूमि शासकीय उपयोग की थी तो निजी पट्टा किस आधार पर जारी हुआ? पट्टा जारी करने की प्रक्रिया में तत्कालीन पटवारी और आरआई की भूमिका की जांच की मांग भी की गई है।

जाति प्रविष्टि को लेकर भी सवाल : सरपंच ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि पट्टा रिकॉर्ड में जाति कंवर दर्शाई गई है, जबकि पट्टाधारी सामान्य वर्ग से आते हैं। इस बिंदु की भी जांच की मांग की गई है।

एसडीएम के आश्वासन के बाद भी नहीं हुआ समाधान : सरपंच के अनुसार मामले को लेकर 11 मई और 22 मई 2026 को एसडीएम राजपुर को आवेदन देकर शिकायत की गई थी। प्रशासन द्वारा कार्रवाई का आश्वासन दिया गया, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। विवादित भूमि पर निर्माण रुके रहने और प्रशासनिक स्तर पर निर्णय नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन भूमि रिकॉर्ड की जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करता है या फिर आईटीआई और हॉस्टल की भूमि का विवाद आगे भी चलता रहेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने पिलाई जीवनरक्षक खुराक

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का लखनपुर से शुभारंभ, अभिभावकों से किया आह्वान...'दो बूंद हर बार,पोलियो पर जीत बरकरार'

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश में चल रहे राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने आज अंबिकापुर जिले के लखनपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक दो बूंद पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करना सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक अभियान में हर बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक पिलाना अत्यंत आवश्यक है। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि भारत ने वर्षों के सतत प्रयास, जनभागीदारी और स्वास्थ्यकर्मियों की अथक मेहनत से पोलियो पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया है। अब इस उपलब्धि को बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने परिवार, मोहल्ले और आसपास के 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस सुरक्षा कवच से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि ष्दो बूंद हर बार, पोलियो पर जीत बरकरारष् केवल एक संदेश नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को आजीवन स्वस्थ रखने का राष्ट्रीय संकल्प है। यदि कोई बच्चा बूथ तक नहीं पहुंच पाता है तो अभिभावक घर-घर आने वाली स्वास्थ्य विभाग की टीम को अवश्य जानकारी दें और सुनिश्चित करें कि बच्चे को पोलियो की खुराक मिल जाए। श्री राजेश अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों, आशा कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों तथा अभियान से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके समर्पित प्रयासों से राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता और जागरूकता के बल पर छत्तीसगढ़ भविष्य में भी अपनी पोलियोमुक्त पहचान को सुदृढ़ बनाए रखेगा। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ बचपन ही सशक्त भारत की आधारशिला है।

इसलिए प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास किसी भी बच्चे को पोलियो की खुराक से वंचित न रहने दे तथा अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करे। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। बच्चों को उत्साहपूर्वक पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाई गई तथा अभिभावकों को नियमित टीकाकरण, स्वच्छता और बच्चों के समग्र स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया गया।

चरित्र शंका को लेकर विवाद के बाद पति की हत्या,पत्नी गिरफ्तार

बतौली पुलिस की कार्रवाईः ईंट,पत्थर और लकड़ी के फाड़ी से हमला कर की गई थी हत्या

-संवाददाता-
बतौली,28 जून 2026 (घटती-घटना)।

बतौली थाना पुलिस ने हत्या के मामले में आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला ने पति द्वारा चरित्र को लेकर शंका किए जाने से नाराज होकर ईंट-पत्थर और लकड़ी के फाड़ी से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सूचक सरोता मझवार ने बतौली थाना पहुंचकर सूचना दी थी कि 26 जून की रात उसके माता-पिता घर पर थे। रात में शराब पीकर दोनों वापस घर आए थे। अगले दिन 27 जून को सूचना मिली कि उसके पिता नेतराम मझवार घर के आंगन में पड़े हुए हैं और उठ नहीं रहे हैं। सूचक जब घर पहुंचा तो देखा कि नेतराम मझवार के शरीर पर चोट के निशान थे और वह गंभीर हालत में पड़े थे। उन्हें तत्काल एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की। शव निरीक्षण, घटनास्थल जांच और गवाहों के बयान के आधार पर पुलिस को पता चला कि घटना वाली रात करीब 10 बजे मृतक नेतराम और उसकी पत्नी मानकुंवर के बीच चरित्र शंका को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस के अनुसार विवाद के दौरान पत्नी मानकुंवर ने नाराज होकर पति पर हमला कर दिया। आरोप है कि उसने ईंट-पत्थर और लकड़ी के फाड़ी से सिर, माथा, चेहरा, कंधे और पीठ पर वार कर गंभीर चोट पहुंचाई, जिससे नेतराम की मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में थाना बतौली में अपराध क्रमांक 75/26 के तहत धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी महिला मानकुंवर पति स्व. नेतराम मझवार (40 वर्ष), निवासी कदनई लोटाभावना, थाना बतौली को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने पति की हत्या करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त ईंट, पत्थर, लकड़ी का फाड़ी और घटना के समय पहने गए कपड़े को जब्त किया है। अपराध के साक्ष्य मिलने पर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पूरी कार्रवाई में थाना बतौली से उप निरीक्षक आभाष मिंज, प्रधान आरक्षक अनूप कुजूर, महिला प्रधान आरक्षक मेबिश खाखा, आरक्षक राकेश एक्का, राजेश खलखो, राजू कुजूर, जोगी, महिला आरक्षक मेरी क्लोरेट और किरण तांडे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गंभीर अपराधों की विवेचना को मिलेगा नया आधार,सूरजपुर में न्यायपालिका और पुलिस की संयुक्त कार्यशाला

बीएनएस,बीएनएसएस,एनडीपीएस और पॉक्सो कानूनों की बारीकियों पर मिला प्रशिक्षण,वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन पर रहा विशेष जोर

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)। गंभीर अपराधों की विवेचना को अधिक प्रभावी, वैज्ञानिक और कानूनी रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों, थाना प्रभारियों और विवेचकों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस),भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस),एनडीपीएस एक्ट तथा पॉक्सो एक्ट से जुड़े महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों और वैज्ञानिक अनुसंधान तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीता वार्नर ने किया।

न्यायपालिका और पुलिस के बीच समन्वय से बेहतर होगी विवेचना

कार्यशाला में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह,डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर,डीडीपी विरेन्द्र लकड़ा तथा डीपीओ मनोज चतुर्वेदी ने नवीन आपराधिक कानूनों,प्रमुख धाराओं और न्यायिक प्रक्रियाओं पर विस्तार से जानकारी दी, अधिकारियों ने विवेचकों के प्रश्नों का समाधान करते हुए विवेचना में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर भी चर्चा की।

फोरेंसिक साक्ष्य ही मजबूत अभियोजन की सबसे बड़ी ताकत

कार्यशाला में संयुक्त संचालक एफएसएल आर.के. पैंकरा, कुलदीप कुजूर एवं डॉ. रसलीन कौर ने वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के आधुनिक तरीकों पर विस्तृत प्रस्तुति दी, विशेषज्ञों ने बताया कि घटनास्थल पर मिलने वाले छोटे-छोटे भौतिक और डिजिटल साक्ष्य ही अपराधी तक पहुंचने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं, उन्होंने घटनास्थल को सुरक्षित रखने, साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संकलित करने, डिजिटल डाटा संरक्षित रखने तथा फोरेंसिक जांच की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर विशेष जोर दिया।

एफआईआर से चालान तक हर चरण में बरतें कानूनी सावधानी: न्यायाधीश-प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विनीता वार्नर ने कहा कि विवेचना में छोटी-सी प्रक्रियात्मक त्रुटि भी न्याय प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है,इसलिए एफआईआर दर्ज करने से लेकर न्यायालय में चालान प्रस्तुत करने तक प्रत्येक चरण में विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है,उन्होंने विवेचकों को नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों की जानकारी देते हुए कहा कि सात वर्ष अथवा उससे अधिक दंड वाले सभी अपराधों में फोरेंसिक जांच अनिवार्य है, डिजिटल साक्ष्यों का सुरक्षित संकलन और सही दस्तावेजीकरण दोषियों को सजा दिलाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एनडीपीएस मामलों में छोटी गलती भी आरोपी को दिला सकती है राहत-अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश मानवेन्द्र सिंह ने विशेष रूप से एनडीपीएस एक्ट से जुड़े मामलों में अनुसंधान की कानूनी प्रक्रिया पर प्रकाश डाला,उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कई बार विवेचक ऐसी त्रुटियां कर बैठते हैं, जिनका सीधा लाभ आरोपी को न्यायालय में मिल जाता है,उन्होंने सुझाव दिया कि एनडीपीएस मामलों की जांच के दौरान आवश्यक चेकलिस्ट हमेशा साथ रखें,ताकि प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर जब्ती,नमूना संकलन,सीलिंग और न्यायालयीन कार्रवाई तक सभी प्रक्रियाएं विधिसम्मत ढंग से पूरी की जा सकें।

कलाकेन्द्र मैदान आवंटन विवाद...वायरल ऑडियो मामले में कांग्रेस ने एसपी से मांगी एसआईटी जांच,तीन दिन का अल्टीमेटम

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)। कलाकेन्द्र मैदान में मीनाबाजार लगाने के लिए कथित लेनदेन से जुड़े वायरल ऑडियो मामले को लेकर अब सियासत तेज हो गई है। जिला कांग्रेस कमेटी ने रविवार को निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक सरगुजा को ज्ञापन सौंपकर मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग की है। कांग्रेस ने एसपी से तीन दिनों के भीतर कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि वायरल टेलीफोनिक बातचीत में कलाकेन्द्र मैदान आवंटन को लेकर लाखों रुपये के लेनदेन की चर्चा सुनाई दे रही है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। वहीं वायरल ऑडियो को लेकर महापौर मंजूषा भगत पहले ही इसे एआई जनरेटेड बताते हुए आदिम जाति कल्याण थाना में शिकायत दे चुकी हैं। कांग्रेस ने बताया कि 22 जून को कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन सौंपकर इस मामले में विशेष जांच दल बनाने की मांग की गई थी। इसके बाद 27 जून को कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल आजाक थाना

पहुंचा था और शिकायत पर हुई कार्रवाई की जानकारी ली थी। कांग्रेस के अनुसार थाना से बताया गया कि मामला उनके क्षेत्राधिकार से संबंधित नहीं है, इसलिए अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है और जांच भी शुरू नहीं हुई है। इसके बाद रविवार को कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने एसपी से मुलाकात कर मामले को गंभीर बताते हुए एसआईटी गठन की मांग रखी।

वॉइस सैंपल और कॉल रिकॉर्ड जांच की मांग : निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि महापौर की शिकायत के बाद मामला और गंभीर हो गया है। एक तरफ ऑडियो को एआई जनरेटेड बताया जा रहा है,वहीं दूसरी तरफ वायरल बातचीत में कथित भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। ऐसे में मामले की जांच किसी स्वतंत्र जांच एजेंसी या एसआईटी से कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वॉइस सैंपलिंग, फोरेंसिक जांच और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की जांच से पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ जाएगी। एसपी से मुलाकात के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए शफी अहमद ने कहा कि मामले से जुड़े लोगों को खुद अपना कॉल रिकॉर्ड सार्वजनिक कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तीन दिन तक इंतजार करेगी।

यदि इस अवधि में एसआईटी का गठन नहीं हुआ तो पार्टी बड़े आंदोलन के साथ न्यायालय जाने पर भी विचार करेगी। इस दौरान मो. इस्लाम, हेमंत तिवारी,नुरुल अमीन सिद्धकी,मदन जायसवाल,संजय सिंह,जमील खान,लोकेश कुमार, जीवन यादव,विनय गुप्ता,लुकस एक्का सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग का बड़ा शिकंजा,चार दिनों में 10 वाहन जब्त

5 मिनी हाईवा और 5 ट्रैक्टर कार्रवाई की जद में,वैध अनुमति के बिना रेत परिवहन करते पकड़े गए वाहन

-संवाददाता-
कोरिया,28 जून 2026 (घटती-घटना)। जिले में अवैध खनिज रेत के उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई है। 21 जून से 24 जून 2026 के बीच बैकुंठपुर,पटना और चरचा क्षेत्र में की गई संयुक्त गश्त के दौरान अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे 5 मिनी हाईवा एवं 5 ट्रैक्टर सहित कुल 10 वाहनों को जब्त किया गया।

गश्ती दल ने की ताबड़तोड़ कार्रवाई-खनिज विभाग की गश्ती टीम ने नियमित निरीक्षण के दौरान इन वाहनों को बिना वैध अनुमति एवं आवश्यक दस्तावेजों के खनिज रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा। कार्रवाई के बाद सभी जब्त वाहनों को संबंधित थाना बैकुंठपुर, चरचा एवं पटना की अभिरक्षा में रखा गया है।

खनिज विभाग द्वारा जिन वाहनों पर कार्रवाई की गई,उनमें निम्नलिखित वाहन शामिल हैं–

- सीजी 16 ई 1507 - वाहन मालिक सोमारू राम यादव
- सीजी 16 ईएफ 9377 - वाहन मालिक जान साय

- सीजी 29 एजे 4780 - वाहन मालिक राजेश साहू
- सीजी 16 सीएच 4388 - वाहन मालिक पंकज पांडेय
- सीजी 15 डीक्यू 8480 - वाहन मालिक शोएब कुरैशी
- सीजी 16 ए 2435 - वाहन मालिक प्रदीप यादव
- सीजी 16 सीक्यू 6576 - वाहन मालिक प्रदीप गुप्ता
- सीजी 16 सीयू 0406 - वाहन मालिक लखन यादव
- सीजी 15 ईजी 5464 - वाहन मालिक संतोष सारथी
- सीजी 16 सीएच 8082 - वाहन मालिक विकेश जायसवाल

खनिज नियमों के तहत होगी विधिक कार्रवाई-खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी वाहन मालिकों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 की धारा 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी, विभाग का कहना है कि अवैध खनिज परिवहन से न केवल शासन को राजस्व की हानि होती है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का अनियंत्रित दोहन भी होता है, ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या रियायत नहीं बरती जाएगी।

अभियान आगे भी रहेगा जारी-जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के विरुद्ध लगातार विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है,उन्होंने कहा कि नियमित निरीक्षण, गश्त और सघन जांच के माध्यम से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जाएगा, उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी खनिज माफियाओं और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि जिले में खनिज संसाधनों का संरक्षण और वैध खनन व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

मुख्य बिंदु...

- 21 से 24 जून के बीच विशेष अभियान चलाया गया।
- 5 मिनी हाईवा और 5 ट्रैक्टर सहित कुल 10 वाहन जब्त।
- बैकुंठपुर,पटना और चरचा क्षेत्र में हुई कार्रवाई।
- सभी वाहन संबंधित थानों की अभिरक्षा में रखे गए।
- खनिज नियम 2015 एवं एमएमडीआर अधिनियम 1957 के तहत होगी कानूनी कार्रवाई।
- खनिज विभाग ने भविष्य में भी सख्त कार्रवाई जारी रखने के संकेत दिए।

तहसील साहू संघ सूरजपुर का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज की एकता,शिक्षा,संगठन और सेवा के लिए किया समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)। तहसील साहू संघ सूरजपुर के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को स्थानीय मंगल भवन में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया,कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा साथियों तथा बड़ी संख्या में समाजजनों की उपस्थिति ने आयोजन को भव्यता प्रदान की,समारोह में नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने समाज की एकता, संगठन और सर्वांगीण विकास के लिए निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने की शपथ ली। समारोह के मुख्य अतिथि जिला साहू संघ सूरजपुर के जिलाध्यक्ष रामलल्लू साहू ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज का इतिहास परिश्रम,सामाजिक सेवा और गौरवशाली परंपराओं से परिपूर्ण रहा है। उन्होंने

कहा कि छत्तीसगढ़ में साहू समाज सबसे बड़े एवं संगठित समाजों में शामिल है,जिसकी वास्तविक शक्ति उसकी एकजुटता, शिक्षा और संस्कारों में निहित है,उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए सेवा, समर्पण और संगठन की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं समाज के संरक्षक रामकृपाल साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि साहू समाज दानवीर भामाशाह जैसे महान व्यक्तित्वों की प्रेरणादायी विरासत का धनी है। उन्होंने कहा कि भामाशाह ने राष्ट्र और समाज की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर महाराणा प्रताप के संघर्ष को नई शक्ति प्रदान की थी। उनके आदर्श आज भी समाज को सेवा,त्याग,सहयोग और राष्ट्रभक्ति का संदेश देते हैं। उन्होंने सभी समाजजनों से इन आदर्शों को आत्मसात कर समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर नवनियुक्त तहसील साहू संघ सूरजपुर के अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत बनाना,समाज में एकजुटता बढ़ाना, युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना तथा सामाजिक विकास को गति देना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने विश्वास दिलाया कि सभी पदाधिकारियों एवं समाजजनों के सहयोग से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

भारतीय जनता युवा मोर्चा सरगुजा ने किया मंडल प्रभारियों और सह-प्रभारियों की घोषणा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,28 जून 2026 (घटती-घटना)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के आह्वान, भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया के मार्गदर्शन और भाजयुमो जिला अध्यक्ष निशांत सिंह सोलू के नेतृत्व में संगठन को और अधिक सुदृढ़ व सक्रिय बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। पार्टी की कार्ययोजनाओं को धरातल तक पहुँचाने और विस्तार देने के उद्देश्य से भाजयुमो सरगुजा के सभी 16 मंडलों के लिए प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। जिला अध्यक्ष निशांत सिंह सोलू ने नवनियुक्त प्रभारियों एवं सह-प्रभारियों को बधाई देते हुए उनसे अपेक्षा की है कि वे संगठन के प्रति पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि इन नियुक्तियों से युवाओं की टीम और अधिक सशक्त होगी, जिससे पार्टी की नीतियों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने में मदद मिलेगी।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अनिता लकड़ा पति स्व. सुरेश लकड़ा उम्र 32 वर्ष, निवासी पंचफेडी,परसापाली तह. अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 की निवासी हूं।

यह कि,मेरे पुत्र का नाम प्रियांस लकडा है जिसके जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम प्रियांस जॉन लकडा दर्ज है जबकी मेरे पुत्र का वास्तविक नाम प्रियांस लकडा है जो सत्य एवं सही है जिसे मैं अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज कराना चाहती हूं। यह कि, मेरे पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम प्रियांश लकडा नाम दर्ज है, जो सत्य एवं सही है मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र का पंजीयन नं.-2895 / 111088 जारी दिनांक 22. 09.2016 है जिस हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत है ।

शपथग्रहिता
अनिता लकड़ा

न्यायालय तहसीलदार लटोरी जिला सूरजपुर,छत्तीसगढ़

रा0प्र0क0 202606262100 अ-21/2025-2026

ईश्तहार

सुभाष चन्द्र रपतान प्रति कृष्णा प्रसाद साह

सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम कमलपुर तहसील लटोरी को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सुभाष चन्द्र रपतान आ0 स्व0 रोशिक लाल रपतान निवासी ग्राम कमलपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम कमलपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर स्थित भूमि ख0न0 156 / 2,163 / 2 रकबा 0.41, 0.60 हे0 भूमि स्थित है। जिसमें से उक्त भूमि ख0न0 156 / 2 में से रकबा 0.02 हे0 अर्थात 5 डिसमिल भूमि को अनावेदक श्री कृष्णा प्रसाद साह आ0 भगवान साह जाति कलवार निवासी ग्राम गणेशपुर तहसील लटोरी के पास 12,00,000/- (बारह लाख रूपये) में विक्रय करने हेतु सौदा तय किया गया है, जिसमें से 11,00,000/- (ग्यारह लाख रूपये) अग्रिम राशि प्रदाय किया गया है। आवेदित भूमि पुर्नवास विभाग से प्राप्त भूमि है। उक्त भूमि को विक्रय करने हेतु अनुमति बावत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत करने से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 10-07-2026 को उपस्थित हो कर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12-06-2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(सील)
तहसीलदार
लटोरी,जिला-सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक आकाश चोपड़ा पिता रविन्द्र चोपड़ा, जाति क्षत्रिय, निवासी चोपड़ापारा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि उनके स्वामित्व की शीट नम्बर -01 मोहल्ला - चोपड़ापारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 9/120 रकबा 0.04 एकड़ भूमि की अनावेदक/केता चिराग चोपड़ा, आर्यन चोपड़ा आ0 मनोरथ चोपड़ा, दोनों निवासी चोपड़ापारा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक 07.10.2025 को प्राप्त किया गया था। जिसकी समयावधि 06 माह निर्धारित किया गया था, जो समाप्त हो चुका है। आवेदक द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र की समयावधि 06 माह की वृद्धि करते हुए नवीन अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किये जाने का निवेदन किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.06.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 18.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील)
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,(छ0ग0)

रा0प्र0क्र0 202602020700190 /अ-27/2025-26

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202602020700190/अ-27/2025-26 पक्षकार विशम्भर वगै. प्रति कोई नही में ग्राम भिट्ठीकला स्थित खसरा नंबर 132/2, 133/2, 176, 177, 178/2 रकबा 0. 009, 0.089, 0.032, 0.025, 0.110 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 17/07/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 08/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील)
तहसीलदार,
अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा,छ0ग0

नौगई तिहरा हत्याकांड: 13 दिन बाद भी न्याय अधूरा

अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग, 29 जून को 'कोरिया न्याय यात्रा' से बढ़ेगा जनदबाव

अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग,29 जून को 'कोरिया न्याय यात्रा' से बढ़ेगा जनदबाव

नौगई तिहरे हत्याकांड : 13 दिन बाद भी न्याय अधूरा,दो आरोपी अब भी फरार

- नौगई हत्याकांड : गिरफ्तारी से आगे बढ़ा मामला,अब पुलिस की जवाबदेही पर बहस
- हत्याकांड के 13 दिन बाद भी अधूरा न्याय,विभागीय जांच और तबादलों की उठी मांग...
- क्या न्याय तक पहुंचेगी जांच ? दो आरोपी फरार,पुलिस की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल...

घटती घटना | राजधानी समाचार | अम्बिकापुर रविवार 28 जून 2026

मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि बनकर

नौगई पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री, पीड़ित परिवार को दिलाया न्याय का भरोसा

नौगई पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री,मुख्यमंत्री से कराई पीड़ित परिवार की बात

बोले-दोषियों को मिलेगी कठोरतम सजा

नौगई हत्याकांड पर सरकार गंभीर...मुख्यमंत्री से फोन पर हुई पीड़ित परिवार की बात...

परिजनों में जगा भरोसा

नौगई हत्याकांड: पीड़ित परिवार का सवाल–आखिर न्याय कब मिलेगा?

गिरफ्तारियां हुईं, लेकिन सवाल बाकी : नौगई हत्याकांड में अब पुलिस की भूमिका जांच के घेरे में

नौगई हत्याकांड : आरोपी सलाखों के पीछे, लेकिन क्या जवाबदेही से बच जाएगी पूरी व्यवस्था?

पुलिस की कार्यप्रणाली, विभागीय जवाबदेही और राजनीतिक जिम्मेदारी पर उठे बड़े सवाल

पीड़ित परिवार ने डीजीपी से की उच्चस्तरीय विभागीय जांच, सीडीआर जांच और तीन पुलिस

13 दिन बाद भी न्याय अधूरा: दो आरोपी फरार, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे बड़े सवाल

नौगई तिहरे हत्याकांड: न्याय की राह में 13 दिन, सवालों के घेरे में पूरी व्यवस्था

दो आरोपी अब भी फरार, पीड़ित परिवार ने डीजीपी से मांगी विभागीय जांच

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | 5

11 दिन...20 खोजी खबरें...12 गिरफ्तारियां, फिर भी सबसे बड़ा सवाल बाकी!

नौगई तिहरा हत्याकांड: आखिर सीबीआई जांच से सरकार अब तक क्यों दूर?

11 दिन...20 खोजी खबरें...12 गिरफ्तारियां

फिर भी सबसे बड़ा सवाल बाकी!

नौगई तिहरा हत्याकांड : आखिर सीबीआई जांच से सरकार अब तक क्यों दूर?

-रवि सिंह-

कोरिया/सोनहत,28 जून 2026 (घटती-घटना)। सोनहत विकासखंड के नौगई गांव में 16 जून की रात हुई तिहरी हत्या और आगजनी की घटना को आज 13 दिन पूरे हो चुके हैं, इन 13 दिनों में पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया, कुछ आरोपियों के आत्मसमर्पण की बात सामने आई, कई पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठे,एक सब-इंस्पेक्टर को हटाया गया, लेकिन इसके बावजूद सबसे बड़ा प्रश्न आज भी जस का तस खड़ा है क्या पीड़ित परिवार को वास्तव में न्याय मिलने की दिशा साफ दिखाई दे रही है?

इस प्रश्न का उत्तर तलाशने की कोशिश करें तो घटनाक्रम केवल एक हत्या की विवेचना तक सीमित नहीं रह जाता,बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली,प्रशासनिकनिर्णय,राजनीतिक जवाबदेही,विभागीय लापरवाही,फरार आरोपी, आत्मसमर्पण की प्रक्रिया और अब सामाजिक आंदोलन तक पहुंच जाता है,घटना के 13 दिन बाद भी पुलिस दो आरोपियों में सुशील और अंजनी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है,दूसरी ओर पीड़ित परिवार ने प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को आवेदन देकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय विभागीय जांच, सीडीआर जांच और कुछ पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग की है,उधर,विभिन्न सामाजिक संगठनों ने 29 जून को'कोरिया न्याय यात्रा' निकालने की घोषणा कर दी है,क्योंकि नौगई तिहरे हत्याकांड अब केवल एक आपराधिक प्रकरण नहीं रह गया है,यह पुलिस की कार्यप्रणाली,प्रशासनिक जवाबदेही,राजनीतिक संवेदनशीलता और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की भी परीक्षा बन चुका है, एक ओर पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई का दावा कर रही है,वहीं दूसरी ओर पीड़ित परिवार विभागीय जांच,सीडीआर जांच और अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग कर रहा है, सामाजिक संगठन न्याय यात्रा निकाल रहे हैं, जबकि जनता यह जानना चाहती है कि आखिर इस पूरे मामले का अंतिम सत्य क्या है और पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय कब मिलेगा।

16 जून की वह रात जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया...

16 जून की रात नौगई गांव में जो हुआ,उसने पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर दिया,आरोप है कि एक ही परिवार को निशाना बनाकर हमला किया गया, लाला सिंह फार्च्यूनर वाहन में जिंदा जल गए,वीरेंद्र सिंह किसी तरह जलती गाड़ी से बाहर निकले, लेकिन उन पर दोबारा धारदार हथियार से हमला किया गया,बाद में अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई, नागेन्द्र सिंह लगभग 80 प्रतिशत तक झुलस गए,रायपुर रेफर किए जाने के दौरान रास्ते में उन्होंने भी दम तोड़ दिया,मयंक सिंह गंभीर रूप से घायल हैं और उनका उपचार जारी है, योगेंद्र सिंह भी गंभीर चोटों के साथ उपचाररत हैं,एक ही परिवार के तीन लोगों की मृत्यु ने पूरे कोरिया जिले को शोक और आक्रोश से भर दिया।

घटती घटना | कोरिया समाचार | अम्बिकापुर गुरुवार 25 जून 2026 | 6

नौगई तिहरे हत्याकांड पर भूपेश बघेल का बड़ा हमला,

न्याय की मांग नौगई के साथ भूपेश बघेल

सीबीआई जांच की मांग को बताया उचित

13 दिन बाद भी दो आरोपी फरार

पुलिस का कहना है कि मामले में अधिकांश आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन दो आरोपी–सुशील और अंजनी–अब भी फरार हैं, यही वह तथ्य है जिसने पूरे घटनाक्रम को फिर चर्चा में ला दिया है,जनता पूछ रही है कि जब इतने बड़े हत्याकांड में पुलिस लगातार कार्रवाई का दावा कर रही है तो दो आरोपी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर कैसे हैं? क्या वे पुलिस से बच रहे हैं? क्या पुलिस को उनके ठिकानों की जानकारी नहीं है? या फिर जांच किसी अन्य कारण से धीमी है? इन प्रश्नों का उत्तर फिलहाल पुलिस के पास ही है।

क्या पुलिस घटना होने का इंतजार करती है?

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गंभीर प्रश्न यही है,घटना के बाद पूरे क्षेत्र में धारा 163 लागू कर दी गई,भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया,लगातार गश्त शुरू हो गई, हर आने-जाने वाले पर निगरानी रखी जाने लगी,लेकिन लोग पूछ रहे हैं की यदि यही पुलिस व्यवस्था घटना से पहले दिखाई जाती,जब गांव में विवाद लगातार बढ़ रहा था,तो क्या इतनी बड़ी घटना टाली नहीं जा सकती थी? क्या पुलिस के पास पहले से तनाव की सूचना थी? यदि थी तो समय रहते निवारक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि सूचना नहीं थी तो यह भी पुलिस के सूचना तंत्र की विफलता मानी जाएगी,यही वे प्रश्न हैं जो अब केवल आपराधिक विवेचना नहीं बल्कि विभागीय जांच की मांग को भी मजबूत कर रहे हैं।

क्या केवल एक सब-इंस्पेक्टर जिम्मेदार है?

घटना के बाद सब-इंस्पेक्टर राजाराम राठिया को प्रभार से हटाए जाने की जानकारी सामने आई,सूत्रों के अनुसार उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी हो सकती है, लेकिन अब बड़ा प्रश्न यह उठ रहा है कि क्या पूरी घटना की जिम्मेदारी केवल उसी अधिकारी की है जो कुछ घंटों के लिए प्रभार में था? या फिर वास्तविक थाना प्रभारी, वरिष्ठ अधिकारी और पूरी कमांड चेन की भूमिका की भी जांच होगी? यही सवाल अब स्थानीय स्तर पर सबसे अधिक पूछा जा रहा है।

थाना प्रभारी की भूमिका पर भी उठ रहे सवाल...

पीड़ित परिवार का कहना है कि घटना वाले दिन वास्तविक थाना प्रभारी विनोद पासवान शाम तक थाना क्षेत्र में मौजूद थे,यदि क्षेत्र में तनाव था तो उन्होंने थाना का प्रभार दूसरे अधिकारी को क्यों सौंपा? क्या वरिष्ठ अधिकारियों को पूरी जानकारी दी गई थी? क्या अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की गई थी? क्या संभावित हिंसा रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाए गए? इन सभी बिंदुओं की विभागीय जांच की मांग की गई है।

एडिशनल एसपी की भूमिका भी जांच के घेरे में...

पीड़ित परिवार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेखा चौबे की भूमिका की भी विभागीय जांच की मांग की है,परिवार का कहना है कि यदि वरिष्ठ अधिकारियों को स्थिति की जानकारी थी तो समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि जानकारी नहीं थी तो यह भी गंभीर प्रशासनिक प्रश्न है, इसी कारण डीजीपी को दिए आवेदन में उनकी भूमिका की जांच की मांग की गई है।

प्रधान आरक्षक नवीन दत्त तिवारी को लेकर भी आपत्ति

आवेदन में एमसीबी जिले में पदस्थ प्रधान आरक्षक नवीन दत्त तिवारी का भी उल्लेख किया गया है, पीड़ित परिवार ने आशंका व्यक्त की है कि उनके आरोपियों से संबंध होने की संभावना की जांच की जाए,साथ ही निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए उनका स्थानांतरण करने का अनुरोध किया गया है,इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या विभागीय निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

डीजीपी को सौंपा गया विस्तृत आवेदन

पीड़ित परिवार द्वारा पुलिस महानिदेशक को भेजे गए आवेदन में कई महत्वपूर्ण मांगें रखी गई हैं घटना से पूर्व पुलिस को मिली सूचनाओं की जांच, थाना प्रभारी की भूमिका की जांच, घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद अधिकारियों की भूमिका, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की विभागीय जांच,कथित आत्मसमर्पण की प्रक्रिया की जांच,कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और मोबाइल लोकेशन की जांच, लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई, जांच पूरी होने तक संबंधित अधिकारियों का स्थानांतरण, परिवार का कहना है कि निष्पक्ष जांच तभी संभव होगी जब जांच से जुड़े अधिकारियों को वर्तमान पदस्थापना से हटाया जाएगा।

तीन अधिकारियों के स्थानांतरण की मांग...

आवेदन में तीन अधिकारियों/कर्मचारियों के स्थानांतरण की मांग की गई है प्रधान आरक्षक नवीन दत्त तिवारी (एमसीबी),थाना प्रभारी विनोद पासवान (सोनहत),अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेखा चौबे (कोरिया) परिवार ने अनुरोध किया है कि इनका स्थानांतरण कोरिया, एमसीबी और सूरजपुर जिलों से बाहर किया जाए ताकि जांच किसी प्रकार से प्रभावित न हो।

आत्मसमर्पण की कहानी पर भी प्रश्न

घटना के बाद चार आरोपियों के आत्मसमर्पण की बात सामने आई थी,लेकिन इस पूरी प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, पीड़ित परिवार चाहता है कि यह स्पष्ट किया जाए कि क्या वास्तव में आरोपियों ने आत्मसमर्पण किया? या पुलिस पहले से उनके संपर्क में थी? पूरी प्रक्रिया कहां और किन परिस्थितियों में हुई? यदि कोई अनियमितता नहीं हुई तो उसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जाती?

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | 5

नौगाई हत्याकांड: क्या केवल एक सब-इंस्पेक्टर पर कार्रवाई से पूरी पुलिस व्यवस्था की जवाबदेही तय हो जाएगी?

नौगाई हत्याकांड : क्या केवल एक सब-इंस्पेक्टर पर कार्रवाई से पूरी पुलिस व्यवस्था की जवाबदेही तय हो जाएगी?

नौगाई हत्याकांड में बढ़े जवाबदेही के सवाल...क्या विभागीय जांच पूरी कमांड चेन तक पहुंचेगी?

- नौगाई हत्याकांड में लापरवाही...कथित आत्मसमर्पण और पुलिस की भूमिका पर उठे नए सवाल
- क्या नौगाई हत्याकांड रोका जा सकता था ? पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल...
- एक अधिकारी पर कार्रवाई या पूरी व्यवस्था की जांच ? नौगाई हत्याकांड में जवाबदेही की नई बहस
- क्या विभागीय जांच थाना प्रभारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचेगी ?

29 जून को 'कोरिया न्याय यात्रा' का ऐलान...

नौगई हत्याकांड को लेकर'कोरिया न्याय यात्रा' का आयोजन 29 जून को किया जा रहा है,सोशल मीडिया पर जारी पोस्टर के माध्यम से समाज के लोगों से बड़ी संख्या में कोरिया पहुंचने का आह्वान किया गया है,पोस्टर में 'न्याय दिलाओ, नहीं तो छत्तीसगढ़ बंद कराओ' जैसे नारे लिखे गए हैं। साथ ही इसे अन्याय के विरुद्ध जनआंदोलन बताते हुए समाज के लोगों से कोरिया पहुंचकर पीड़ित परिवार के समर्थन में आवाज बुलंद करने की अपील की गई है, पोस्टर के अनुसार गुजरात से समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह तोमर भी इस आंदोलन में शामिल होने के लिए कोरिया पहुंचने वाले हैं। हालांकि कार्यक्रम की सफलता और उसमें शामिल होने वालों की संख्या आयोजन के दिन ही स्पष्ट होगी।

गृह मंत्री और स्थानीय विधायक से इस्तीफे की मांग...

घटना के बाद अब सामाजिक संगठनों के बीच राजनीतिक जवाबदेही की मांग भी तेज हो गई है, संगठन का आरोप है कि इतनी बड़ी घटना के बावजूद प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा तथा क्षेत्र की विधायक रेणुका सिंह द्वारा अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई गई, इसी आधार पर कुछ संगठन दोनों से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग कर रहे हैं,हालांकि इस संबंध में संबंधित जनप्रतिनिधियों का पक्ष सामने आना भी आवश्यक है।

जनता पूछ रही है...अब पूरे जिले में कुछ सवाल लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं...

- दो आरोपी अब तक फरार क्यों हैं?
- पुलिस उन्हें कब गिरफ्तार करेगी?
- क्या पुलिस की लापरवाही की विभागीय जांच होगी?
- क्या डीजीपी पीड़ित परिवार के आवेदन पर कार्रवाई करेंगे?
- क्या सीडीआर जांच होगी?
- क्या संबंधित अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाएगा?
- क्या आत्मसमर्पण की पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक होगी?
- क्या पुलिस की जवाबदेही भी तय होगी या केवल आरोपियों तक कार्रवाई सीमित रहेगी?

अब आगे क्या?

फिलहाल पूरे मामले की निगाहें तीन महत्वपूर्ण घटनाओं पर टिकी हैं पहली—फरार दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी, दूसरी—डीजीपी को दिए गए आवेदन पर विभागीय कार्रवाई, तीसरी—29 जून को प्रस्तावित 'कोरिया न्याय यात्रा ', जिससे इस मामले में सामाजिक और जनदबाव बढ़ने की संभावना है।

हसदेव संरक्षण की मुहिम को मिला प्रशासन का साथ

उद्गम स्थल के कायाकल्प की दिशा में बढ़े ठोस कदम

'दैनिक घटती-घटना' की मुहिम और जनभावनाओं के बाद जिला प्रशासन सक्रिय,कलेक्टर ने किया उद्गम स्थल का निरीक्षण

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,28 जून (घटती-घटना)। जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी के संरक्षण, संवर्धन और पर्यटन विकास को लेकर शुरू हुई जनजागरण की मुहिम अब प्रशासनिक पहल में बदलती नजर आ रही है,शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने स्वयं हसदेव नदी के उद्गम स्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से चर्चा की,उनके सुझाव सुने और सभी को हसदेव नदी के संरक्षण की शपथ दिलाई,निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि हसदेव केवल एक नदी नहीं, बल्कि कोरिया जिले की प्राकृतिक,सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर है, जिसके संरक्षण की जिम्मेदारी शासन और समाज दोनों की है।

'दैनिक घटती-घटना' ने प्रमुखता से उठाया था मुद्दा

हसदेव नदी के संरक्षण को लेकर दैनिक 'घटती-घटना' ने हाल ही में 'हसदो की सिसकियाँ और मिटता वजूद : कंक्रीट के चमकते शहरों के नाम एक रूहानी वसीयत' शीर्षक से विशेष समाचार प्रकाशित किया था, इस समाचार में उद्गम क्षेत्र में घटते जंगल, कम होता जलस्तर,सूखती सहायक नदियों,अमृतधारा और गौरघाट जैसे पर्यटन स्थलों पर मंडराते संकट तथा बढ़ते तापमान की गंभीरता को विस्तार से प्रकाशित किया गया था, साथ ही नर्मदा नदी की तर्ज पर'ग्रीन हसदो कॉरिडोर'विकसित करने तथा उद्गम स्थल से अमृतधारा तक दोनों तटों के 500 मीटर क्षेत्र को 'नो-कंस्ट्रक्शन जोन' एवं वृहद वृक्षारोपण क्षेत्र घोषित करने की मांग भी उठाई गई थी।

सुशासन तिहार में भी सौंपा गया था विस्तृत ज्ञापन

समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजन पाण्डेय, जिला उपाध्यक्ष अजय गुप्ता एवं ब्लॉक अध्यक्ष एहसानुल हक ने सुशासन तिहार शिविर के दौरान कलेक्टर कोरिया के नाम एसडीएम सोनहत को विस्तृत ज्ञापन सौंपा था,ज्ञापन में हसदेव उद्गम स्थल से अमृतधारा तक ग्रीन हसदो कॉरिडोर विकसित करने, दोनों तटों के 500 मीटर क्षेत्र को नो-कंस्ट्रक्शन एवं ट्री-प्लांटेशन जोन घोषित करने,हलफली और बनिया जैसी सहायक नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में जल संरक्षण कार्य कराने,वैज्ञानिक अध्ययन कराने तथा व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने की मांग की गई थी।

हसदो की सिसकियाँ और मिटता वजूद...कंक्रीट के चमकते शहरों के नाम एक रूहानी वसीयत

जनभावनाओं को मिला प्रशासन का सकारात्मक उत्तर-अब जिला प्रशासन द्वारा उद्गम स्थल के निरीक्षण और संरक्षण की दिशा में उठाए गए कदमों को जनभावनाओं का सम्मान माना जा रहा है,कलेक्टर रोक्तिमा यादव ने पंचायत,वन एवं जल संसाधन विभाग की संयुक्त समिति गठित कर सर्वसम्मति से विकास प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं,ताकि हसदेव उद्गम स्थल को पर्यटन,आस्था और पर्यावरण संरक्षण के आदर्श केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

जनभागीदारी से तैयार होगा संरक्षण का मॉडल...

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि हसदेव नदी केवल कोरिया जिले की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की धरोहर है, इसलिए इसके संरक्षण में जनभागीदारी सबसे महत्वपूर्ण होगी। ग्रामीणों के सुझावों के आधार पर विकास योजना तैयार करने का निर्णय संरक्षण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

कलेक्टर ने दिया व्यापक कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को जिले की सभी उद्गम नदियों के ऐतिहासिक महत्व का दस्तावेजीकरण करने,विद्यालयों के विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करने,नदी संरक्षण विषय पर प्रतियोगिताएं कराने तथा उद्गम स्थलों पर जनजागरूकता कार्यक्रम और मेले आयोजित करने के निर्देश दिए, साथ ही कैचमेंट क्षेत्र में वृक्षारोपण,वाटर रिचार्ज,जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण तथा वीबीजीआरएएम,कैम्पा,मनरेगा और डीएमएफ जैसी योजनाओं के माध्यम से व्यापक कार्ययोजना तैयार करने पर भी जोर दिया।

हसदेव को मिल सकती है नई पहचान

यदि प्रशासन की यह पहल जनभागीदारी और सतत प्रयासों के साथ आगे बढ़ती है तो आने वाले समय में हसदेव नदी का उद्गम स्थल केवल प्राकृतिक धरोहर ही नहीं, बल्कि प्रदेश के प्रमुख ईको-टूरिज्म एवं पर्यावरण संरक्षण मॉडल के रूप में भी स्थापित हो सकता है,वर्षों से उठ रही जनभावनाओं, मीडिया की सकारात्मक भूमिका और प्रशासन की सक्रियता का यह समन्वय हसदेव नदी के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत माना जा रहा है।

नई उम्मीदों के साथ आगे बढ़ा संरक्षण अभियान

हसदेव नदी ने वर्षों से लाखों लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया है, कृषि को जीवन दिया है और प्रदेश की ऊर्जा व्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है,ऐसे में इसका संरक्षण केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज का भी दायित्व है,जिला प्रशासन की यह पहल आने वाली पीढ़ियों के लिए जल,जंगल और पर्यावरण संरक्षण का मजबूत संदेश देती है,यदि यह अभियान इसी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा तो हसदेव नदी का उद्गम स्थल पूरे छत्तीसगढ़ के लिए पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणास्रोत बन सकता है।

जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

विधायक रायमुनी भगत ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर किया अभियान का शुभारंभ

-संवाददाता-
जशपुरनगर,28 जून 2026
(घटती-घटना)।

जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ आज जिला चिकित्सालय जशपुर से किया गया। विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने नवजात बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि ष्एक भी बच्चा छूटा, सुरक्षा चक्र टूटाष् के संदेश को ध्यान में रखते हुए 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा, सिविल सर्जन डॉ.कपिल कश्यप,जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.गौरव सिंह, बीईटीओ श्रीमती मनीषा कुजूर,एएनएम श्रीमती अरुणा सिंह, जिला वैक्सीन मैनेजर श्री एस.एल. सारथी सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन, प्रभावी सुपरविजन एवं सतत मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के साथ पंचायत,शिक्षा,महिला एवं बाल विकास,परिवहन तथा विद्युत विभाग को समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं।

28 से 30 जून तक संचालित होगा राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान : राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान तीन दिनों तक संचालित किया जाएगा। प्रथम दिवस 28 जून को जिले के सभी पोलियो बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा रही है। वहीं

29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएगी,जो पहले दिन किसी कारणवश बूथ तक नहीं पहुंच सके। जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों को पोलियो बूथ बनाया गया है। अभियान के संचालन के लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं,आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों की टीम गठित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. जात्रा ने बताया कि जिले की भौगोलिक परिस्थितियों एवं क्षेत्रीय आवश्यकता को देखते हुए इस वर्ष पोलियो बूथों की संख्या बढ़ाई गई है। जिले में कुल 1,205 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। इनमें पत्थलगांव में 192, फरसाबहार में 147,कांसाबेल में 84,बगीचा में 219, कुनकुरी में 152, दुलदुला में 92,मनोरा में 146 तथा जशपुर विकासखंड में 173 बूथ शामिल हैं। अभियान के संचालन के लिए 4,464 दलकर्मियों (स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं मितानिन) की तैनाती की गई है, जबकि 224 सुपरवाइजर बूथों एवं गृह भ्रमण की निगरानी करेंगे। इसके अतिरिक्त जिले के 11 मेला एवं बाजार स्थलों का चिन्हांकन कर वहां विशेष व्यवस्था की गई है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा : आस्था, सम्मान और सांस्कृतिक समन्वय का अविस्मरणीय संगम

छत्तीसगढ़ शासन की अभिनव पहल से एमसीबी जिले के विशिष्टजनों ने किए प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ के दर्शन,गुजरात सरकार ने किया भव्य स्वागत

-संवाददाता-
एमसीबी,28 जून 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत और राष्ट्रीय एकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा'श्रद्धा, सम्मान और सांस्कृतिक समन्वय का एक ऐतिहासिक अध्याय बनकर सामने आई,इस यात्रा ने एमसीबी जिले के विशिष्टजनों को देश के प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ महादेव के दर्शन कराने के साथ-साथ भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं से निकटता से परिचित कराया। केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल तथा संस्कृति विभाग के संचालक डॉ.संजय कन्नौजे के विशेष प्रयासों से आयोजित यह यात्रा प्रतिभागियों के लिए जीवनभर की अविस्मरणीय स्मृति बन गई।

विशिष्टजनों को सम्मान के साथ कराया गया आध्यात्मिक सफर-यात्रा का मुख्य उद्देश्य पद्म अलंकरण एवं राज्य अलंकरण से सम्मानित विभूतियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्टजनों को देश के प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर के दर्शन कराना तथा उन्हें भारतीय संस्कृति,आस्था और राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना था, एमसीबी जिले में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी संतन देवी जांगड़े,जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार के मार्गदर्शन में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय ने पूरी यात्रा का सफल संचालन किया।

मनेन्द्रगढ़ से रायपुर और फिर विशेष ट्रेन से सोमनाथ तक का सफर-यात्रियों को मनेन्द्रगढ़ से विशेष वातानुकूलित बस के माध्यम से रायपुर पहुंचाया गया,इसके बाद

राज्य शासन द्वारा विशेष वातानुकूलित ट्रेन से सभी यात्रियों को गुजरात स्थित सोमनाथ के लिए रवाना किया गया,पूरे सफर के दौरान यात्रियों के लिए भोजन,नाश्ता,पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई,यात्रा के दौरान भजन, छत्तीसगढ़ी लोकगीत,पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने वातावरण को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।

गुजरात सरकार ने किया आत्मीय और भव्य स्वागत-वेरावल रेलवे स्टेशन पहुंचते ही गुजरात सरकार की ओर से सभी अतिथियों का ढोल-नगाड़ों,लोकनृत्य और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया, इसके बाद यात्रियों को वातानुकूलित बसों से होटल पहुंचाकर ठहरने, भोजन और विश्राम की उच्चस्तरीय व्यवस्था उपलब्ध कराई गई, इस आत्मीय स्वागत ने छत्तीसगढ़ और गुजरात के बीच सांस्कृतिक समन्वय और भाईचारे की भावना को और मजबूत किया।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन ने भावविभोर किया-अगले दिन सभी यात्रियों ने प्रथम ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर में विधिवत दर्शन एवं पूजन किया,इसके साथ ही श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम, बाणस्तंभ, समुद्र तट और अन्य प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण भी किया,शाम को आयोजित भव्य आरती, लेजर शो तथा

सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास की प्रस्तुति ने सभी यात्रियों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां-यात्रा के दौरान छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने लोकगीत, लोकनृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें सभी यात्रियों ने खूब सराहा,इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराओं का सुंदर प्रदर्शन देखने को मिला, जिसने दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक संवाद को नई ऊर्जा प्रदान की।

स्मृति-चिन्ह देकर किया गया सम्मानित-सोमनाथ दर्शन के उपरांत गुजरात सरकार द्वारा सभी विशिष्टजनों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया,वापसी के समय रेलवे स्टेशन पर भी सभी अतिथियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई,जिससे यात्रा का समापन गरिमामय वातावरण में हुआ।

इन विशिष्टजनों ने किया यात्रा में सहभाग-यात्रा में जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय के साथ साहित्यकार वीरेंद्र श्रीवास्तव, सतीश उपाध्याय,पूर्व संसदीय सचिव चंपा देवी पावले,सरोज यादव,रामजीत लकड़ा,भगत बाबू, कलाकार, जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्टजन शामिल रहे,यात्रा के सफल संचालन में राज्य नोडल अधिकारी युगल तिवारी तथा संभागीय नोडल अधिकारी पुखराज गोस्वामी का विशेष योगदान रहा।

यह केवल धार्मिक यात्रा नहीं, सांस्कृतिक एकता का अभियान है-यात्रा के अनुभव साझा करते हुए जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि यह केवल धार्मिक दर्शन की यात्रा नहीं,बल्कि सम्मान, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, राष्ट्रीय एकता और पर्यटन संवर्धन का प्रभावी माध्यम है,उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन की यह पहल समाज के विशिष्टजनों को देश की महान सांस्कृतिक धरोहरों से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है,भविष्य में सोमनाथ,राम मंदिर तथा महाकालेश्वर मंदिर जैसे पवित्र स्थलों की यात्राएं निरंतर आयोजित होती रहेंगी तो इससे राष्ट्रीय एकता,सांस्कृतिक समन्वय और सामाजिक सद्भाव को और अधिक मजबूती मिलेगी।

क्या सच में काव्या मारन और अनिरुद्ध कर रहे हैं शादी?

अनिरुद्ध रविचंदर और काव्या मारन की शादी की अफवाहें तब और तेज हो गई,जब कथित तौर पर अनिरुद्ध के अंकल ने शादी की पुष्टि कर दी। म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद की काव्या मारन की शादी की अफवाहें काफी समय से चल रही हैं। जहां दोनों ने इन अटकलों पर चुप्पी साधे रखी है और अपनी डेटिंग लाइफ के बारे में कुछ भी कहने से बचते रहे हैं, वहीं अब अनिरुद्ध के अंकल ने इस मामले कुछ ऐसा कहा है जो दोनों स्टार्स के फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है।

अनिरुद्ध के अंकल ने काव्या के साथ उनकी शादी की पुष्टि की?

अनिरुद्ध और काव्या की शादी की चर्चा तब और तेज हो गई जब अनिरुद्ध के अंकल, एक्टर वाई जी महेंद्र ने कथित तौर पर उनकी शादी की पुष्टि की। एक बातचीत में उन्होंने अनिरुद्ध को बहुत शांत स्वभाव का लड़का बताया और उनकी होने वाली शादी के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा, मैं इस मौके पर उन्हें बधाई देना चाहता हूं। वे एक बहुत बड़ी शादी करने जा रहे हैं। मुझे जो बताया गया है, उसके आधार पर यह पक्का है। वे शादी कर रहे हैं। महेंद्र ने शादी की तारीख या जगह जैसी और जानकारी देने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने काव्या का जिक्र किया और उन्हें कोई आम लड़की नहीं बताया। उन्हें काबिल और मेहनती बताते हुए उन्होंने कहा, वह लड़की कोई आम लड़की नहीं है। उनमें इतनी बड़ी टीम को संभालने की क्षमता है। उन्हें अपने पिता से बिजनेस के गुण विरासत में मिले हैं। वे एक अच्छी जोड़ी हैं। दोनों को साथ मिलकर म्यूजिक बिजनेस में काम करना चाहिए।

इस बीच,न तो अनिरुद्ध रविचंदर और न ही काव्या मारन ने अब तक शादी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि या घोषणा की है।

अनिरुद्ध और काव्या के डेटिंग की अफवाहें

यह पहली बार नहीं है जब अनिरुद्ध और काव्या का नाम एक साथ जोड़ा गया है। 2025 में, एक रेडिट पोस्ट वायरल हुई थी जिसमें दावा किया गया था कि वे दोनों एक साल से ज्यादा समय से डेट कर रहे थे और शादी करने की योजना बना रहे थे। पोस्ट में यह भी दावा किया गया था कि सुपरस्टार रजनीकांत, जो अनिरुद्ध के रिश्तेदार हैं, ने उनके रिश्ते पर चर्चा करने के लिए काव्या के पिता कलानिधि मारन से मुलाकात की थी।
हालांकि, उस समय अनिरुद्ध ने शादी की खबरों को खारिज कर दिया था। उन्होंने एक्स पर लिखा,शादी? शांत हो जाओ दोस्तों,कृपया अफवाहें फैलाना बंद करो। हालांकि गायक ने शादी की अटकलों को खारिज कर दिया, लेकिन उन्होंने काव्या को डेट करने की अफवाहों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

अनिरुद्ध और काव्या के बारे में

अनिरुद्ध रविचंदर तमिल सिनेमा के सबसे बड़े म्यूजिक कंपोजर में से एक हैं। वहीं काव्या मारन, कलानिधि मारन की बेटी हैं, जो भारत के सबसे बड़े मीडिया ग्रुप्स में से एक, सन ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन हैं। वह सन टीवी नेटवर्क की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं और ग्रूप की फ्रैंचाइजी, सनराइजर्स हैदराबाद की भी हेड हैं।

धमाल 4 से रितेश देशमुख-अंजलि आनंद का गाना जारी,सुनकर याद आ जाएगी गुलाबी साड़ी

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। कुछ दिन पहले ट्रेलर जारी हुआ था, जिसने लोगों को हंसा-हंसाकर पेट में दर्द कर दिया। अब फिल्म का नया गाना साड़ी आया है, जिसमें रितेश देशमुख और अंजलि आनंद डांस करते दिख रहे हैं। दरअसल,यह गायक संजू राठौड़ के लोकप्रिय पहाड़ी गाने गुलाबी साड़ी का रीक्रिएट संस्करण है। इससे पहले फिल्म से चटनी गाना आया था, जो चर्चित भोजपुरी गाने का रीक्रिएटेड संस्करण था। रीक्रिएटेड गाने को संजू ने ही अपनी धमाकेदार आवाज दी है। इसका संगीत उन्होंने तनिष्क बक्शी के साथ मिलकर दिया है,जबकि बोल कुमार के साथ लिखे हैं। गाने के शीषर्क के आधार पर अंजलि ने गुलाबी रंग की साड़ी पहनी है, जबकि रितेश सफेद रंग के सूट में काफी स्टाइलिश नजर आ रहे हैं। धमाल 4 10 जुलाई, 2026 को रिलीज हो रही है। इसमें अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजीदा शेख और संजय मिश्रा जैसे सितारे हैं।

वेलकम टू द जंगल के आगे भी कॉकटेल 2 ने दिखाया दम,8 वें दिन कर डाली धमाकेदार कमाई

2012 की हिट फ़िल्म कॉकटेल की स्पिरिचुअल सीक्वल होमी अदजानिया निर्देशित कॉकटेल 2 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शाहिद कपूर,रश्मिका मंदाना और कृति सेनन स्टारर इस फ़िल्म ने दर्शकों और क्रिटिक्स से मिले-जुले रिव्यू के बावजूद अपने ओपनिंग वीक में ठीक परफॉर्म किया। अब ये दूसरे हफ्ते में एंट्री कर चुकी है और इसे नई रिलीज अक्षय कुमार की मल्टी स्टारर वेलकम टू द जंगल से मुकाबला करना पड़ रहा है। कॉकटेल 2 ने रिलीज के 8वें दिन यानी दूसरे फ्राइडे कितना कलेक्शन किया है?
कॉकटेल 2 बॉक्स ऑफिस पर मजबूत बनी हुई है। यहां तक कि इसने दूसरे शुक्रवार को नई रिलीज वेलकम टू द जंगल के आगे भी अपना पूरा दम दिखाया और कलेक्शन में थोड़ी ग्रोथ भी दिखाई। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक कॉकटेल 2 ने भारत में रिलीज के 8वें दिन 4.25 करोड़ (नेट) कमाए हैं। बता दें कि कॉकटेल 2 की शुरुआत ज़बरदस्त रही थी और इसने पहले दिन 13.50 करोड़ कमाए थे। वहीं वीकेंड पर फ़िल्म की रफ़्तार बढ़ी और शनिवार को इसने 16.25 करोड़ और रविवार को 17.75 करोड़ कमाए। सोमवार को इसकी कमाई में मंदी आई और इसने 6.75 करोड़ कमाए, जबकि मंगलवार को इसने 6.75 करोड़ का कलेक्शन किया। फ़िल्म ने बुधवार को 5.25 करोड़ और गुरुवार को भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर 4.15 करोड़ (नेट) कमाए थे। इसी के साथ इसका भारत में 8 दिनों का नेट कलेक्शन अब 74.75 करोड़ रुपये हो गया है।

सामंथा रूथ प्रभु की मां इंति बंगारम बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही है. रिलीज के पहले हफ्ते में 35.85 करोड़ कमाने के बाद इस फिल्म ने दूसे शुक्रवार को कमाई में तेज दिखाई.सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मां इंति बंगारम ने रिलीज के 8वें दिन यानी फ्राइडे को 4.40 करोड़ कमाए हैं। इसी के साथ इस फिल्म की 8 दिनों की कुल कमाई अब 40.50 करोड़ रुपये हो गई है। इम्तियाज अली की मैं वापस आऊंगा नई रिलीज फिल्मों के आगे भी जमी हुई है। इसने पहले हफ्ते में 12.25 करोड़ कमाए थे और दूसरे हफ्ते में इसका कलेक्शन 22.55 करोड़ रुपये रहा। वहीं रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे को इसने फिर तेजी दिखाई। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक मैं वापस आऊंगा ने रिलीज के 15वें दिन यानी तीसरे फ्राइडे को 2.85 करोड़ कमाए हैं। इसीके साथ इस फिल्म की 15 दिनों की कुल कमाई अब 37.65 करोड़ रुपये हो गई है।

हैदराबाद कॉन्सर्ट विवादः फैंस ने जैस्मीन सैंडलस को घेरा,परफॉर्मेंस पर उठे सवाल

धुरंधर सिंगर जैस्मीन सैंडलस को 27 जून को क्वेक एरिना में हैदराबाद में हुए उनके कॉन्सर्ट में आए कई लोगों ने सोशल मीडिया पर अपनी निराशा ज़ाहिर की। उन्होंने आरोप लगाया कि जैस्मीन लगभग तीन घंटे देर से पहुंचीं और अपनी परफॉर्मेंस के दौरान लिप-सिंक करती रहीं। कॉन्सर्ट में आए कई लोगों ने इवेंट के मैनेजमेंट की भी आलोचना की। कुछ ने दावा किया कि ऑर्गनाइज़र ने लोगों को ठगने का एक नया तरीका बनाया है और अपने निराशाजनक अनुभव ऑनलाइन शेयर किए।
हैदराबाद कॉन्सर्ट को लेकर जैस्मीन सैंडलस को आलोचना का सामना करना पड़ा कॉन्सर्ट में शामिल हुई एक इंस्टाग्राम यूज़र अभिरुचि गुप्ता ने अपने अकाउंट पर अपनी निराशा ज़ाहिर की। खुद को जैस्मीन की फ़ैन बताते हुए, उन्होंने कहा कि वह पूरे कॉन्सर्ट के अनुभव से निराश हैं। उन्होंने लिखा, शो रात 8 बजे शुरू होना था आप 11ः20 बजे आईं,बिना किसी जवाब या माफ़ी के?? तीन घंटे लेट!!! और फिर आप आईं और लाइव शो में लिप सिंक किया,सच में क्या??? फिर आखिर में अचानक चली गईं, बिना किसी थैंक यू, सॉरी या कुछ भी कहे!! इसके अलावा, फ़ैन ने कहा कि वह भविष्य में जैस्मिन सैंडलस के शो रिकमेंड नहीं करेंगी, और कहा कि सिंगर ने अपने फ़ैन्स को निराश किया है। इवेंट को बहुत बुरा अनुभव और लाइव परफ़ॉर्मेंस का मेरा सबसे बुरा अनुभव बताते हुए, उन्होंने कॉन्सर्ट से अपनी निराशा ज़ाहिर की। अटेंडी ने यह भी आरोप लगाया कि परफ़ॉर्मेंस पहले से रिकॉर्ड की हुई लग रही थी और दावा किया कि जैस्मिन लिप-सिंकिंग कर रही थीं, और कहा कि उन्हें लगा कि सिंगर कई बार आउट ऑफ़ सिंक थीं।

खेल समाचार

राउंड ऑफ 32 की शुरुआत आज

फीफा विश्व कप 2026 अब अपने नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है... 29 जून का राउंड ऑफ 32 के पहले 2 मुकाबले खेले जाने वाले हैं... जिसमें साउथ अफ्रीका और कनाडा की भिड़ंत के बाद ब्राजील और जापान की टक्कर होगी...खेले जाएंगे 2 धाकड़ मैच,नेमार पर होंगी नजरें...

नई दिल्ली,28 जून 2026। फीफा विश्व कप 2026 अब अपने नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है। जहां हर मैच सभी टीमों के लिए करो या मरो होने वाला है। ग्रुप चरण समाप्त होने के बाद अब हारने वाली टीम सीधे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। जबकि जीतने वाली टीम राउंड ऑफ 16 में जगह बनाएगी। सोमवार की रात को फुटबॉल प्रशंसकों की नजरें दो रोमांचक मुकाबलों पर रहेंगी। पहला मुकाबला साउथ अफ्रीका और कनाडा के बीच खेला जाएगा, फिर पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील का सामना जापान से होगा।

दक्षिण अफ्रीका बनाम कनाडा (12:30 प्रातः)

सबसे पहले लॉस एंजिल्स स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 12:30 बजे साउथ अफ्रीका और कनाडा आमने-सामने होंगे। साउथ अफ्रीका ने ग्रुप ए में तीन मैचों में 1 जीत, 1 हार और इतने ही ड्रॉ के चलते 4 अंक हासिल किए। दूसरी ओर कनाडा ने ग्रूप बी में 4 अंकों के साथ ही दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम 32 में प्रवेश किया। कनाडा की टीम ने तेज काउंटर अटैक और आक्रामक फुटबॉल के दम पर प्रभावित किया है।

ब्राजील बनाम जापान (10:30 प्रातः)

दिन के दूसरे मुकाबले में ब्राजील और जापान के बीच टक्कर होने वाली है। ह्यूस्टन स्टेडियम में भारतीय समयानुसार रात 10ः30 बजे से इस मैच की शुरुआत हो जाएगी। ब्राजील ने ग्रूप सी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 अंक (2 जीत, 1 ड्रॉ) के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम ने तीन मैचों में सात गोल किए। कोच कार्लो एंसेलोटी के मार्गदर्शन में ब्राजील लगातार बेहतर होती गई है और स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर शानदार फॉर्म में हैं। देखना दिलचस्प होगा कि नेमार इस मुकाबले में खेलते है या नहीं?
जापान ने ग्रुप-स्न में 2 जीत और एक हार की वजह के 6 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए नॉकआउट चरण में जगह बनाई। हालांकि जापान को कुछ खिलाड़ियों की चोट से झटका लगा है। लेकिन टीम बड़े मुकाबलों में उलटफेर करने की क्षमता रखती है। यही कारण है कि ब्राजील के सामने जापान उलटफेर करने का दम रखती है।
चारों टीमों को झोंकनी होगी जान
नॉकआउट चरण में किसी भी प्रकार की गलती की कोई गुंजाइश नहीं होती। यदि निर्धारित 90 मिनट तक मुकाबला बराबरी पर रहता है तो अतिरिक्त समय और जरूरत पड़ने पर पेनल्टी शूटआउट के जरिए विजेता का फैसला होगा। ऐसे में सोमवार का दिन फुटबॉल प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक रहने वाला है। अब देखना होगा कि ब्राजील अपनी दावेदारी मजबूत करता है या जापान बड़ा उलटफेर करता है। वहीं साउथ अफ्रीका और कनाडा में से कौन-सी टीम अगले दौर का टिकट हासिल करती है।

आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास, टी-20 विश्व कप में अपनी पहली जीत दर्ज की

नई दिल्ली,28 जून 2026। महिलाओं के टी-20 विश्व कप 2026 के 27वें मैच में आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम को 6 विकेट से हराते हुए पहली जीत दर्ज की। ब्रिस्टल में खेले गए मैच में कैरेबियाई टीम ने पहले खेलते हुए 7 विकेट खोकर 128 रन बनाए। जवाब में आयरिश टीम ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट के अर्धशतक (63) की मदद से लक्ष्य हासिल किया। वेस्टइंडीज को कियाना जोसेफ (4) और शेमेन कैंपबेल (8) के रूप में शुरुआती झटके लगे। इसके बाद हैली मैथ्यूज (22), डियांड्रा डॉटिन (21) और चिनेल हेनरी (27*) ने टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। जवाब में कप्तान गैबी लुईस (9) के विकेट के पतन के बाद एमी हंटर (28) और प्रेंडरगास्ट ने पारी को संभाला। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने निराश किया और आयरलैंड ने आसान जीत दर्ज की।नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए आई प्रेंडरगास्ट ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 14वां अर्धशतक लगाया। वह 44 गेंदों में 8 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 63 रन बनाकर आउट हुई। अपनी इस पारी के दौरान टी-20 अंतराष्ट्रीय में अपने 2,000 रन पूरे किए। वह आयरलैंड की ओर से आंकड़े को छूने वाली सिर्फ दूसरी बल्लेबाज बनी। आयरलैंड में उनसे ज्यादा रन सिर्फ गैबी लुईस (3,185) ने बनाए हैं।

स्पेन ने उरुग्वे को हराया

नई दिल्ली,28 जून 2026। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रूप- एच में 2 अहम मुकाबले खेले गए। एक मुकाबले में स्पेन ने उरुग्वे को 1-0 से हरा दिया। इसके साथ ही वह ग्रूप की शीर्ष टीम के तौर पर नॉकआउट में पहुंची। इसी तरह एक अन्य मुकाबले में काबो वर्दे ने बेहतरीन प्रदर्शन के साथ सऊदी अरब के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। इसकी बदलौत काबो वर्दे 3 अंकों के साथ नॉकआउट चरण में जगह पक्की करने में सफल हो गई। मुकाबले में स्पेन ने जहां आक्रामक रणनीति अपनाई, वहीं उरुग्वे ने रक्षात्मक खेल दिखाया। हालांकि, पहले 40 मिनट तक कोई टीम गोल नहीं कर पाई। 40 वें मिनट में स्पेन के एलेक्स बेएना पेनल्टी एरिया के अंदर से एक शॉट लिया। उरुग्वे के 40 वर्षीय गोलकीपर मुसलेरा गेंद को रोकने में नाकाम रहे और और गेंद गोल पोस्ट में चली गई। उसके बाद दोनों टीमों ने गोल के भरसक प्रयास किए, लेकिन किसी को भी सफलता नहीं मिली। 2 बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे अपने इतिहास में लगातार दूसरी बार विश्व कप के ग्रुप चरण से बाहर हो गई। इससे पहले 2022 में ऐसा हुआ था। उरुग्वे की टीम टूर्नामेंट के अपने तीनों ग्रूप मैचों में (2 ड्रा, 1 हार) एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी। स्पेन ने उरुग्वे के खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। दोनों टीमों के बीच हुए कुल 11 मुकाबलों में स्पेन ने 6 मैच जीते हैं और 5 ड्रा रहे हैं। मैच का पहला हाफ काफी धीमा और रक्षात्मक रहा। दोनों ही टीमों को खुलकर खेलने के मौके नहीं मिले। 33वें मिनट में सऊदी अरब के डिफेंडर हसन अल-तम्बकती चोटिल हो गए और उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाना पड़ा। दूसरे हाफ में खेल आक्रामक हो गया। सऊदी अरब को आगे बढने् के लिए जीत की जरूरत थी। 49वें मिनट में काबो वर्दे के जमीरो मोंटेइरो को गोल का मौका मिला,लेकिन सऊदी गोलकीपर अल-ओवैस ने शानदार बचाव किया।इस ड्रॉ के साथ काबो वर्डे फीफा विश्व कप के इतिहास में नॉकआउट चरण में जगह बनाने वाला दुनिया का सबसे छोटा देश (क्षेत्रफल के हिसाब से) बन गया है। इसी तरह अपने पहले ही विश्व कप डेब्यू में काबो वर्दे ने ग्रूप-॥ के अपने तीनों मैचों में से एक भी मैच नहीं गंवाया। उन्होंने स्पेन (0-0), उरुग्वे (2-2) और अब सऊदी अरब (0-0) के खिलाफ लगातार तीन ड्रॉ खेलकर इतिहास रचा। यह ड्रॉ काबो वर्दे के लिए ऐतिहासिक रहा।

डिवी ने फाईड वर्ल्ड कप अंडर-12 का खिताब जीता

तिरुवनंतपुरम,28जून 2026। केरल की ग्यारह साल की शतरंज की होनहार खिलाड़ी दिवी बिजेश ने जॉर्जिया के बटुमी में फाईड वर्ल्ड कप अंडर-12 गर्ल्स चैंपियनशिप जीतकर भारतीय शतरंज के इतिहास में एक और अध्याय लिखा। वह अंडर-10 और अंडर-12 दोनों कैटेगरी में फाईड वर्ल्ड कप टाइटल जीतने वाली राज्य की पहली खिलाड़ी बन गई। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, दिवी ने दुनिया के 85 से ज़्यादा टॉप युवा खिलाडियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया और 11 राउंड में नौ पॉइंट हासिल किए। सातवें राउंड के बाद उन्होंने अकेली बढ़त हासिल की और उसे कभी नहीं छोड़ा,फिर रूस की एलिसा युंकर के खिलाफ अपना आखिरी राउंड का गेम ड्रॉ करके वर्ल्ड टाइटल अपने नाम कर लिया। यह जीत दिवी का सिर्फ दो साल में तीसरा वर्ल्ड टाइटल है, जो दुनिया के शतरंज में सबसे प्रतिभाशाली युवा टैलेंट में से एक के रूप में उनके उभरने को और दिखाता है। उन्होंने 2025 में पहला फाईड वर्ल्ड कप अंडर-10 गर्ल्स चैंपियन बनकर इतिहास रचा था और उसी साल वर्ल्ड

अंडर-10 रैपिड चैंपियनशिप भी जीती थी।
उनकी नई सफलता ने इस साल के आखिर में होने वाली फाईड वर्ल्ड कैडेट चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन भी पक्का कर दिया है, जहाँ वह एक बार फिर ग्लोबल स्टेज पर भारत को रिप्रेजेंट करेंगी। अभी सिर्फ़ 11 साल की दिवी ने अब तक 25 मेडल जीते हैं,जिसमें 13 इंटरनेशनल गोल्ड मेडल शामिल हैं,अपने शानदार करियर में जिसने उन्हें तेज़ी से भारत के सबसे काबिल युवा शतरंज खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। तिरुवनंतपुरम के एलन फेल्डमैन पब्लिक स्कूल की क्लास 6 की स्टूडेंट दिवी, बिजेश और प्रभा की बेटी और देवनाथ बिजेश की छोटी बहन हैं। महिला ग्रैंडमास्टर आरती रामास्वामी और महिला फाईड मास्टर हर्षिनी के गाइडेंस में चोला शतरंज टैलेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के ज़रिए उनकी तरक्की हुई है। उनके लंबे समय के कोच और मेंटर, तिरुवनंतपुरम में मास्टर्स चेस एकेडमी के श्रीजीत जी.एस. ने उनके करियर को बनाने में अहम भूमिका निभाई है। केरल की सबसे कम उम्र की वुमन कैंडिडेट मास्टर और केरल उज्ज्वला बाल्यम अवॉर्ड पाने वाली दिवी की नई जीत भारतीय शतरंज में एक और शानदार मील का पत्थर जोड़ती है और वर्ल्ड-क्लास टैलेंट के लिए एक नर्सरी के तौर पर केरल की बढ़ती रेप्युटेशन को और मज़बूत करती है।

फ्रांस और सेनेगल ने अपने-अपने मुकाबले जीते

नई दिल्ली,28 जून 2026। फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-आई के 2 मुकाबले खेले गए। फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 से हराया और सेनेगल ने इराक को 5-0 से मात दे दी। नॉर्वे ने सबको चौंकाते हुए अपनी टीम में 10 बदलाव किए थे। इराक इस हार के बाद विश्व कप 2026 से बाहर हो गया। वहीं, फ्रांस और नॉर्वे अगले नॉकआउट में अपनी जगह बना ली है। सेनेगल भी राउंड ऑफ-32 में अपनी जगह लगभग पक्की कर चुकी है।
फ्रांस के स्टार खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले ने मैच के 7वें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। उन्हें इस शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। फ्रांस के लिए उनके अलावा एक गोल देजिरे डूए 90+4 वें मिनट में किया। नॉर्वे के लिए मैच का एकमात्र गोल थेलो आसगार्ड ने 21वें मिनट में किया। किलियन एम्बाप्पे मैच में एक भी गोल नहीं कर सके। हालांकि, उन्होंने 2 गोल में असिस्ट किया।
सेनेगल के लिए पहले हाफ में एक गोल आया। चौथे मिनट में हबीब डियारा ने गोल दागा। इसके बाद दूसरे हाफ में उन्होंने 4 गोल कर दिए। 56वें मिनट में इस्माइला सार ने गोल किया। 56वें और 58वें मिनट में पापे गुएये ने गोल दागे। आखिरी गोल इलिमान एनडियाये ने 82वें मिनट में किया। इराक के लिए कोई गोल नहीं आया।

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष पर आधारित स्मारिका 'आपातकाल के योद्धा' का किया विमोचन

लोकतंत्र सेनानियों का त्याग नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

अपनी संस्कृति और मूल्यों से समाज को जोड़कर देश-दुनिया में अपनी पहचान को और मजबूत कर सकता है भारत : इंद्रेश कुमार

आपातकाल हमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव सजग रहने की प्रेरणा देता है : डॉ. रमन सिंह

रायपुर,28 जून 2026। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर स्थित डीडीयू ऑडिटोरियम में आपातकाल स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। गरिमामयी समारोह में उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष पर आधारित स्मारिका 'आपातकाल के योद्धा' का विमोचन किया तथा आपातकाल पर आधारित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में लोकतंत्र, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि एक जीवन मूल्य है,जिसे समझने और निभाने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है। उन्होंने आपातकाल के दौर को याद करते हुए कहा कि यह समय भारतीय लोकतंत्र के लिए एक कठिन परीक्षा का काल था, जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मौलिक अधिकारों पर गंभीर प्रभाव पड़ा। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष को स्मरण करते हुए कहा कि उन लोगों ने जेल, यातनाओं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद लोकतांत्रिक आदर्शों को जीवित रखा। मुख्य वक्ता कुमार ने कहा कि इतिहास को याद रखना केवल अतीत को जानना नहीं है,बल्कि उससे सीख लेकर भविष्य को बेहतर बनाना है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अनुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करें तथा नशामुक्त और स्वच्छ समाज के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और मूल्यों ने हमेशा समाज को जोड़ने का कार्य किया है और इन्हीं मूल्यों के आधार पर देश-दुनिया में अपनी पहचान को और मजबूत कर सकता है। उन्होंने युवाओं से 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को जीवन में अपनाने की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्र,ज्ञान और धर्म प्रथम की भावना ही भारत की वास्तविक शक्ति है। उन्होंने आगे कहा कि अयोध्या सृष्टि का वह स्थान है जो सदैव पूजनीय रहेगा और सत्य व धर्म के मार्ग पर चलते हुए हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि आपात काल भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह कालखंड है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष, त्याग और जेल जीवन की कठिनाइयों को याद करते हुए कहा कि इन लोगों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया। साय ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य केवल स्मरण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को सचेत करना है ताकि वे समझ सकें कि स्वतंत्रता और लोकतंत्र कितनी बड़ी कुर्बानियों के बाद प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती हमेशा से संघर्ष,संस्कृति और परंपरा की भूमि रही है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रही है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराने के लिए इस विषय को पाठ्यक्रम में शामिल करना प्रशंसनीय पहल है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पारिवारिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में अनेक परिवारों ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि मेरे बड़े पिताजी स्वर्गीय नरहरि साय 19 महीनों तक जेल में रहे और इन परिवारों की पीड़ा को करीब से देखा है। उस दौर में जब घर के मुखिया को जेल में डाल दिया जाता था, तब लोकतंत्र सेनानियों के परिवार पर जीवन निर्वाह का संकट आ गया था। साय ने कहा कि इस कठिन समय में स्वयंसेवक भेष बदलकर लोकतंत्र सेनानियों के परिवार को अनाज पहुंचाने का काम करते थे ताकि कोई भूखा न रहे। उन्होंने उस दौर से जुड़ी कई और स्मृतियां भी साझा की और सभी लोकतंत्र सेनानियों का पुण्य स्मरण किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ सुनी प्रधानमंत्री की 'मन की बात' की 135वीं कड़ी

जनभागीदारी और जनप्रेरणा का सशक्त माध्यम बना 'मन की बात' : सीएम साय

रायपुर 28 जून 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 135वीं कड़ी जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों के साथ सुनी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' आज जनता और नेतृत्व के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचार देशवासियों को प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रत्येक कड़ी में देशभर से नवाचार,जनभागीदारी और प्रेरणादायी प्रयासों को सामने लाते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक कार्यों को नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कहा कि'मन की बात' की अनेक कड़ियों में छत्तीसगढ़ के नवाचारों और उपलब्धियों का उल्लेख होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने आगामी गणेशोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मिट्टी से निर्मित भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला तथा वर्षा जल के प्रत्येक बूंद के संरक्षण का संदेश देते हुए जल संचय को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मेघालय के जीवित रूट ब्रिज का उल्लेख करते हुए प्रकृति और मानव के अद्भुत समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने विज्ञान, तर्क और जागरूकता के माध्यम से समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को दूर करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। असम की महिलाओं द्वारा 'हरगिला आर्मी' के माध्यम से दुर्लभ पक्षी हरगिला के संरक्षण और उससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का प्रयास जनजागरूकता का प्रेरक उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागालैंड में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संचालित नागालैंड बेबी लीग और नागालैंड वुमन फुटसाल लीग जैसी पहलों का उल्लेख किया। साथ ही नालंदा विश्वविद्यालय एवं सेंट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ आगे बढ़ाने के प्रयासों की भी सराहना की। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि डोमिनिकन रिपब्लिक में 'ब्रह्मकमल डोमिनिकाना' के सदस्य वैदिक साहित्य का अध्ययन कर भारतीय संस्कृति से जुड़ रहे हैं। वहीं मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा की महिलाओं द्वारा प्लास्टिक अपशिष्ट से सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक बनाने की पहल स्वच्छता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है।

संत कबीर जन्मोत्सव पर दामाखेड़ा सहित प्रदेश भर में होंगे विविध आयोजन

रायपुर,28 जून 2026। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जेठ पूर्णिमा के अवसर पर संत कबीर का जन्मोत्सव दामाखेड़ा,धमधा, कबीर धाम, सहित पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाएगा। ज्ञातव्य है कि संत कबीर द्वारा भक्तिकाल में लिखे गये साहित्य को पूरे विश्व भर में सम्मान के साथ न केवल पढ़ा जाता है बल्कि उनके द्वारा दोहों के माध्यम से दी गई शिक्षा को भी ग्रहण किया जाता है। शहर के साहित्यिक संस्थान पहल द्वारा कबीर जन्मोत्सव पर संत कबीर की वर्तमान समय में प्रासंगिकता विषय पर रोहिणी पुरम में अशोक साहू के यहां विशेष आयोजन किया गया है।

गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश के बनारस जिले के नीमूखेड़ा गांव में संत कबीर का जन्म जुलाहा परिवार में हुआ था। संत कबीर ने अपने समय में समाज में फैली हुई कुरीतियों को दोहों के माध्यम से शाब्दिक प्रहार के जरिए व्यक्त किया था। उन्होंने समाज में फैले पाखंड एवं दिखावे पर जमकर निशाना साधा था।

भाजपा नेता पर जानलेवा हमला...

प्रशासन ने आरोपी रज्जाक अली के अवैध मकान पर चलाया बुलडोजर

कोरबा,28 जून 2026। भाजपा नेता पर जानलेवा हमले के आरोपी रज्जाक अली के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसके अवैध मकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। प्रशासन ने सीतामड़ी स्थित मकान को अवैध निर्माण मानते हुए जमींदोज करने की कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। बताया जा रहा है कि रज्जाक अली पर भाजपा नेता पर रॉड से हमला कर उनके दोनों पैर तोड़ने का आरोप है। घटना के बाद से मामले को लेकर क्षेत्र में काफी चर्चा रही। आरोपी रज्जाक अली करतला जनपद पंचायत का उपाध्यक्ष भी रह चुका है। रज्जाक अली का नाम पूर्व में भी विभिन्न आपराधिक गतिविधियों से जुड़ता रहा है। उसके खिलाफ कई मामले दर्ज होने की बात सामने आई है। प्रशासन द्वारा उसे पहले जिलाबदर भी किया जा चुका है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, जांच में सीतामड़ी स्थित मकान को अवैध पाया गया, जिसके बाद नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर बड़ी

संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और संबंधित कानूनी कार्रवाई जारी है। प्रशासन की इस कार्रवाई को कानून-व्यवस्था और अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले तीन लोगों अज्ञात वाहन ने को कुचला,मौके पर ही मौत...

जांजगीर-चांपा,28 जून 2026। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में रविवार सुबह एक दिल दहला देने वाली सड़क दुर्घटना हुई है। बलौदा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डोंगरी-कोरबी से गुजरने वाली भारतमाला रोड पर मॉर्निंग वॉक पर निकले तीन बुजुर्गों की अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान दिलहरण दास वैष्णव (62), केदार बरेट (52) और संतु यादव (70) के रूप में हुई है,जो सभी इसी गांव के निवासी थे। यह भीषण हादसा उस समय हुआ जब ये तीनों अपनी दिनचर्या के अनुसार सुबह 5 से 6 बजे के बीच सैर पर निकले थे। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने इन तीनों को इतनी जोर से टक्कर मारी कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला।

आरोपी ड्राइवर वाहन लेकर मौके से फरार,पुलिस कर रही तलाश...

हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर वाहन समेत मौके से फरार हो गया,जिससे फिलहाल वाहन और उसके चालक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। गुस्साए और सदमे में डूबे ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची बलौदा थाना पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और पंचनामा कार्यवाही पूरी कर तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और क्षेत्र में नाकेबंदी कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

क्षेत्र में शोक की लहर, सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल : इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव और आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण इस घटना को लेकर काफी आक्रोशित हैं और सड़क पर वाहनों की अनियंत्रित रफ्तार को लेकर प्रशासन से सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने की मांग कर रहे हैं। भारतमाला रोड जैसे व्यस्त मार्ग पर सुबह के समय वाहनों की तेज गति और लापरवाही ने लोगों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन और पुलिस अब इस बात पर भी मंथन कर रही है कि सुबह के समय मुख्य मार्गों पर इस तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए।

सीसीटीवी फुटेज के जरिए सुराग तलाश रही है पुलिस टीम

इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए जांच का दायरा तेज कर दिया है। पुलिस टीम घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाल रही है, ताकि आरोपी वाहन का रंग-रूप और उसका नंबर पता लगाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि वे इस बात की गंभीरता से जांच कर रहे हैं कि किस दिशा से वाहन आया था और कहां तक भागने में सफल रहा। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

बीजेपी का पोस्टर के जरिए कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर पर हमला जारी...अबकी बार विधायक देवेंद्र यादव के जरिए साधा निशाना...

रायपुर,28 जून 2026। भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस के प्रशिक्षण शिविर को लेकर अपना पोस्टर वार जारी रखे हुए है। ताजा पोस्टर नौवें दिन के प्रशिक्षण को लेकर है, जिसमें विधायक देवेंद्र यादव पार्टी पदाधिकारियों को प्रदर्शन के दौरान खुद का कपड़ा फाड़ने और सरकारी संपत्ति में आग लगाने की ट्रेनिंग देते नजर आ रहे हैं। इतिहास दरअसल, भाजपा ने कांग्रेस के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर पर पहले दिन से ही पोस्टर के जरिए हमला करना शुरू कर दिया था। इस कड़ी में नौवें दिन कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव द्वारा दिए गए प्रशिक्षण पर निशाना साधते हुए तंज कसा है कि वे पदाधिकारियों को कपड़ा फाड़ने और सरकारी संपत्ति में आग लगाने की सीख दे रहे हैं। जानकारी के लिए बता दें कि देवेंद्र यादव का हाल ही में प्रदर्शन के दौरान खुद का कपड़ा फाड़ते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके पहले कलेक्टोरेट में आगजनी के मामले में पुलिस ने उन्हें मुख्य आरोपी बनाया था। भाजपा ने पोस्टर में दोनों ही घटनाओं को देवेंद्र यादव के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तौर पर शामिल करते हुए कांग्रेस पर हमला किया है।

महिला मजदूर की मौत मामले में स्टील कंपनी के दो मालिकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रायगढ़ ,28 जून 2026। पूंजीपथरा क्षेत्र के रूपेश स्टील कंपनी के लेबर क्वार्टर में हुए हादसे में कंपनी के दो मालिकों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। दरअसल, लेबर क्वार्टर की बाउंड्री वॉल गिर गई थी। इस हादसे में महिला मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई थी। वहीं,दो अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मामले में मर्ग जांच के दौरान लापरवाही सामने आने के बाद कंपनी के मालिकों के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। साथ ही मामले में आगे की जाँच कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार 18 जून को आंधी-तूफान एवं तेज बारिश के दौरान कंपनी परिसर के समीप स्थित बाउंड्री वॉल गिर जाने से लेबर क्वार्टर मलबे की चपेट में आ गया,जिससे मजदूर रंभा यादव,सुनील परमार एवं उनकी पत्नी रिंकी डेलकी दब गए।

दूसरे राज्यों के डॉक्टरों को प्रैक्टिस की अनुमति पर बढ़ा विवाद, स्वास्थ्य मंत्री बोले...सिर्फ बयानबाजी नहीं, प्रदेश की भी चिंता

रायपुर,28 जून 2026। छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से दूसरे राज्यों में पंजीकृत डॉक्टरों को बिना स्थानीय रजिस्ट्रेशन के प्रदेश में प्रैक्टिस की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विवाद तेज हो गया है। राज्य के डॉक्टर इस फैसले का लगातार विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे स्थानीय डॉक्टरों के हित प्रभावित होंगे और प्रदेश में कार्यरत चिकित्सकों के अवसर कम हो सकते हैं। विवाद के बीच स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को देखते हुए प्रस्तावित किया गया है। उनका कहना था कि केवल वही डॉक्टर छत्तीसगढ़ में काम कर सकेंगे, जिनका किसी दूसरे राज्य की मेडिकल काउंसिल में वैध रजिस्ट्रेशन हो और वे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग में भी पंजीकृत हों। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार बिना सोच-विचार के कोई निर्णय नहीं ले रही है। उन्होंने बताया कि देश

के कई राज्यों में पहले से इस तरह की व्यवस्था लागू है और छत्तीसगढ़ भी उसी मॉडल का अध्ययन कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉक्टरों की आपत्तियों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और इस मुद्दे पर जल्द ही चिकित्सकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की जाएगी। डॉक्टरों की कमी का जिक्र करते हुए जायसवाल ने कहा कि सरकार लगातार नई भर्तियां कर रही है। उन्होंने बताया कि मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर के 125 नियमित पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन अब तक केवल 78 पद ही भर पाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के पास रिक्त पदों की कमी नहीं है,लेकिन आवेदन करने वाले योग्य डॉक्टर पर्याप्त संख्या में नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित होने से बचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार करना जरूरी हो गया है। सरकार इधर, राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री रायपुर के जिला अस्पताल पहुंचे और बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि पांच वर्ष से कम उम्र के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक जरूर दिलाएं। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर के स्वास्थ्य केंद्रों और पोलियो बूथों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है ताकि कोई भी बच्चा इस जीवनरक्षक दवा से वंचित न रहे।

कबीर जयंती पर रायपुर में मांस-मटन बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध,नियम तोड़ने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

रायपुर,28 जून 2026। संत कबीर जयंती के अवसर पर 29 जून को रायपुर नगर निगम क्षेत्र में मांस और मटन की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। नगर निगम प्रशासन ने इस दिन सभी बूचड़खानों और मांस बिक्री की दुकानों को बंद रखने के निर्देश जारी किए हैं। महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर इस आदेश का सख्ती से पालन कराया जाएगा। नगर निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षकों को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे पूरे शहर में लगातार निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रतिबंध का उल्लंघन न हो। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी होटल, रेस्टोरेंट या अन्य प्रतिष्ठान में मांस-मटन की बिक्री करते हुए

पाया गया,तो तत्काल जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित संचालकों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। नगर निगम ने सभी मांस विक्रेताओं, होटल संचालकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे आदेश का पालन करें और कबीर जयंती के दिन किसी भी प्रकार की मांस बिक्री से परहेज करें।

छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस प्रभारी अमित पठानिया को पार्टी ने हटाया

रायपुर,28 जून 2026। छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस के चुनाव के बीच संगठन में बड़ा बदलाव हुआ है। यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अमित पठानिया को हटाकर उनकी जगह डॉ. स्मृति रंजन लेंका को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। हालांकि कांग्रेस की ओर से इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है,लेकिन 26 जून को जारी स्टार परफॉर्मर की सूची डॉ.स्मृति रंजन लेंका के हस्ताक्षर से जारी होने के बाद बदलाव की पुष्टि मानी जा रही है। यह बदलाव ऐसे समय हुआ है, जब छत्तीसगढ़ यूथ कांग्रेस के चुनाव को लेकर लगातार विवाद और अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद से ही परिसीमन को लेकर संगठन के भीतर नाराजगी देखने को मिली थी। बढ़ते विवाद के बीच नामांकन प्रक्रिया को भी स्थगित करना पड़ा था। यूथ कांग्रेस चुनाव की घोषणा 24 मई को की गई थी। इसके तहत ब्लॉक,जिला और प्रदेश स्तर पर नई टीम के गठन की प्रक्रिया शुरू होनी थी।

अबूझमाड़ में अवैध कटाई पर सरकार सख्त : बनेगी उच्चस्तरीय जांच समिति,IIT खड़गपुर के सर्वे से तय होगी रणनीति

जगदलपुर,28 जून 2026। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में पेड़ों की बड़े पैमाने पर अवैध कटाई और अवैध सड़क निर्माण के मामलों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि सीएम विष्णुदेव साय के निर्देश पर पूरे मामले की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित होगी। दोषियों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी खड़गपुर कर रहा वैज्ञानिक सर्वे : वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि उन्होंने हाल ही में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से इस मुद्दे पर चर्चा की है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को तत्काल जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। समिति सभी तथ्यों की जांच कर रिपोर्ट देगी, जिसके आधार पर आगे कार्रवाई होगी। उन्होंने साफ कहा कि वन क्षेत्र में किसी भी अवैध गतिविधि को संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

सीएम के निर्देश पर बनेगी जांच समिति : वन मंत्री ने बताया कि अबूझमाड़ लंबे समय तक असर्वेक्षित क्षेत्र रहा है। इसी वजह से कार्रवाई में तकनीकी कठिनाइयां आईं। अब सरकार आईआईटी खड़गपुर के माध्यम से वैज्ञानिक आधार पर सर्वे करा रही है। इससे क्षेत्र का सटीक भू-डाटा तैयार होगा। इससे वन क्षेत्र की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी और भविष्य में अवैध कटाई, अतिक्रमण और सड़क निर्माण पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। केदार कश्यप ने जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों से अपील की कि यदि कहीं भी वन क्षेत्र में अवैध कटाई या गैरकानूनी गतिविधि दिखे तो तत्काल प्रशासन को जानकारी दें। सरकार वन संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)

CMYK